ममता ने कल्याण बनर्जी को.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

साथ में फिल्म करेंगे टाइगर... 11

वर्ष - 02, अंक - 67 | गाजियाबाद / बुधवार 10 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

परिसीमन, वन नेशन वन इलेक्शन का रास्ता साफ

कांग्रेस नेता अधीर रंजन बोले, टीएमसी के बागी करेंगे मोदी का सपना पूरा

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने तृणमूल कांग्रेस के सांसदों पर बगावत के बाद बड़ी भविष्यवाणी की है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसद बीजेपी और नरेंद्र मोदी के अधूरे सपने को पूरा करेंगे। बीजेपी अब अपने बचे हुए एजेंडे परिसीमन बिल और वन नेशन, वन इलेक्शन बिल को संसद में पारित करा लेगी। उन्होंने कहा कि 2011 में सत्ता में आने के बाद टीएमसी ने बंगाल के विकास का तर्क देते हुए पंचायत स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया था। अब बीजेपी बंगाल में जीत के बाद देश के विकास के नाम पर टीएमसी के टुकड़े-टुकड़े कर रही है।

अपने एजेंडे पर आगे बढ़ रही है बीजेपी

अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि टीएमसी के बागी सांसद बीजेपी के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्हें कायदे से बीजेपी में शामिल हो जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी के बागी बीजेपी के साथ डूबकर नहाना तो चाहते हैं, मगर अपने सिर के बाल भिगाना नहीं चाहते हैं। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि बीजेपी इस सुनहरे मौके का इस्तेमाल करना चाहती है।

कांग्रेस को झटका, मीनाक्षी का नामांकन निरस्त

- भाजपा की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफीसर ने सुनाया फैसला

भोपाल। राज्यसभा चुनाव में स्क्कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। रिटर्निंग ऑफिसर ने मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त करने का फैसला सुनाया। भाजपा ने उनके नामांकन पर आपत्ति दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने शपथ पत्र में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित मामले की जानकारी छिपाई है। भाजपा की ओर से

एडवोकेट संकेत गुप्ता ने रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष शिकायत पेश करते हुए कहा था कि सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार उम्मीदवार को अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी देना अनिवार्य है। भाजपा ने इसे तथ्यों को छिपाने का मामला बताते हुए नामांकन रद्द करने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान विधानसभा परिसर में जमकर राजनीतिक हलचल और हंगामा हुआ। कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों के वरिष्ठ नेता रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष के बाहर मौजूद रहे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा की आपत्ति को निराधार बताते हुए कहा था कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है, बल्कि केवल कोर्ट का नोटिस मिला है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने फैसला सुरक्षित रखा था, जिसके बाद शाम को नामांकन निरस्त किए जाने का निर्णय सुनाया

कश्मीर में आपस में जुड़े जोजिला टनल के दोनों छोर

- यह दुनिया की सबसे लंबी सिंगल ट्यूब टनल, काम जारी
- कश्मीर से लद्दाख डेढ़ घंटे की जगह 15 मिनट में पहुंचेंगे

लद्दाख (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच बन रही जोजिला टनल की खुदाई मंगलवार को पूरी हो गई। टनल के बीच 2.5 मीटर के ब्लॉक को ब्लास्ट करके हटा दिया गया। इसके साथ ही टनल के दोनों छोर आपस में जुड़ गए। 13.15 किमी लंबाई वाली यह दुनिया की सबसे लंबी सड़क टनल है। जिसमें एक ही सुरंग से दोनों डायरेक्शन में गाड़ियां चल सकेंगी। यह टनल जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की ऑल वैदर कनेक्टिविटी बनाए रखेगी। सुरंग को फरवरी 2028 तक चालू कर दिया जाएगा। यह सुरंग मध्य कश्मीर के बालटाल (गांदरबल) को लद्दाख के द्रास जिले के मिनीमार्ग से जोड़ेगी। इसके साथ लगभग 18 किमी की एप्रोच रोड भी बनाई जा रही है। पहले इस हिस्से को पार करने में 1 से 1.5 घंटे लगते थे, वहीं टनल शुरू होने के बाद यह सफर करीब 15 मिनट में पूरा हो सकेगा। ब्लास्ट के लिए पहुंचे केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा- यह आधुनिक टनल है, इसे पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से तैयार किया जा रहा है। करीब 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही इस टनल की लागत लगभग 6,500 करोड़ है। अधिकारियों के अनुसार, टनल का लगभग 80 फीसदी काम हो गया है। यह टनल 9.5 मीटर चौड़ी और 7.57 मीटर ऊंची है। यह 31 किलोमीटर लंबी परियोजना का मुख्य हिस्सा है, जिसमें सोनमर्ग से मिनीमार्ग तक एप्रोच रोड और पुल शामिल हैं।

तय समय से छह महीने पहले पूरा हो गया टनल काम

मेघा इंजीनियरिंग ने नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से यह प्रोजेक्ट हासिल किया और अक्टूबर 2020 में टनल का काम शुरू किया। मेघा के अधिकारियों ने बताया कि यह काम तय समय से छह महीने पहले ही पूरा हो गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा, वह एडवांस्ड न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का इस्तेमाल करके सुरंग बना रही है, जिसे पहाड़ी इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भारत की सबसे अहम इंजीनियरिंग उपलब्धियों में से एक माना जाता है।

भारत ने पहली बार तैनात किए बारह परमाणु बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

- 2 साल में देश के एटमी हथियार 180 से बढ़कर 190 हुए
- पाकिस्तान से 20 ज्यादा, अग्नि सीरीज की मिसाइलें भी सक्षम

दुनिया के 9 देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार

2026 की शुरुआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से 9,745 परमाणु हथियार सेना के भंडार गृह में हैं, जो इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

दुनिया का 5वां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश

2025 में भारत का रक्षा खर्च 92.1 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है। रक्षा खर्च के मामले में भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी हैं। 2021-25 के दौरान भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक भी रहा। वैश्विक हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2 फीसदी रही। यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की संयुक्त हिस्सेदारी 35 फीसदी रही।

ममता ने कल्याण बनर्जी को लोकसभा में

चीफ व्हिप बनाया

- स्पीकर को लेटर लिखा, एक दिन पहले 20 बागी सांसदों ने काकोली को व्हिप चुना था

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी में टूट के बीच ममता बनर्जी ने मंगलवार को सांसद कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। टीएमसी के लोकसभा में 28 सांसदों में से 20 ने एक दिन पहले बगावत के बाद ममता का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। इन लोगों ने सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। खुद काकोली घोष ने बागी सांसदों के साइन वाला लेटर लोकसभा स्पीकर को भेजा था।

काकोली घोष ने कहा था- मैं ही चीफ व्हिप रहूंगी

काकोली ने सोमवार को कहा था कि वे अभी भी लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) हैं। काकोली ने 27 मई को टीएमसी छोड़ दी है, लेकिन सांसद पद से इस्तीफा नहीं दिया था। काकोली घोष ने कहा- मैं 1986 से ममता बनर्जी के साथ हूं। 2005 में मुझे पार्षद तक का चुनाव लड़वाया गया। मैं तो लड़ते-लड़ते यहां आई हूं। मेरा सिर कटेगा लेकिन झुकेगा नहीं। मैंने बहुत सह लिया। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने कहा वफादारी सिर्फ जीत तक ही रहती है, अमित शाह के एक कॉल पर नैतिकता खत्म हो जाती है। ये बहुत शर्म की बात है। लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी बोले आपके पास ईडी, सीबीआई, एनआईए और दूसरी ताकतें हैं, लेकिन मेरे पास मां, माटी, मानुष, मेरी पार्टी, कार्यकर्ता और बंगाल के लोग हैं।

- धरा रह गया राहुल गांधी का विरोध, नहीं मानी सरकार

13000 करोड़ के निकोबार एयरपोर्ट को मंजूरी

गैलाथिया बे के पास चिनगेन में बनाया जाएगा। इसकी रणनीतिक अहमियत काफी ज्यादा है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के तहत एक बड़ा फैसला लेते हुए 13000 करोड़ रुपये के नए ग्रीनफील्ड सिविल-मिलिट्री एयरपोर्ट को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, भारतीय नौसेना के मौजूदा आईएनएस बाज एयर स्टेशन के रनवे विस्तार के प्लान को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस 81,000 करोड़ रुपये के मेगा प्रोजेक्ट का कड़ा विरोध किया था। यह नया डुअल-यूज (नागरिक और सैन्य) एयरपोर्ट

81 हजार करोड़ रुपये का है पूरा ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट

यह नया एयरपोर्ट ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना के तहत प्रस्तावित चार प्रमुख बुनियादी ढांचों में से एक है। इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग 81,000 करोड़ रुपये है। एयरपोर्ट के अलावा इस मेगा प्लान में एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर और एक टाउनशिप का विकास शामिल है। इसका मुख्य उद्देश्य इस द्वीप को एक प्रमुख आर्थिक और रणनीतिक केंद्र में तब्दील करना है। प्रोजेक्ट को लेकर हो रहे राजनीतिक और पर्यावरणीय विरोध के बीच सरकार लगातार अपना पक्ष रखती आई है। सरकार का तर्क बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक निवेश है।

आईएनएस बाज का विस्तार किया गया ड्रॉप

कैंपबेल बे स्थित आईएनएस बाज के 4,500 फीट लंबे रनवे को 10,000 फीट तक बढ़ाने में भौगोलिक सीमाएं और नेविगेशनल चुनौतियां आ रही थीं। इसके लिए भारी-भरकम सपोर्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की भी जरूरत थी। अधिकारियों ने अध्ययन में पाया कि नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की तुलना में, मौजूदा रनवे के विस्तार से आदिवासी बस्तियों, जंगलों और वन्यजीवों के आवास पर कहीं ज्यादा गहरा और विपरीत प्रभाव पड़ता। नए एयरपोर्ट का यह ऐलान राहुल गांधी के उस कड़े हमले के कुछ ही दिनों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने इन द्वीपों का दौरा किया था और कोरल रीफ के पास स्कूबा-डाइविंग की थी।

मोदी कैबिनेट में बदले जा सकते हैं 12 मंत्री

राज्यसभा चुनाव के बाद बड़े फेरबदल के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही एनडीए सरकार में कैबिनेट फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। अटकलें हैं कि इस बार कई राज्य मंत्रियों को बदला जा सकता है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि किन मंत्रालयों में बड़े स्तर पर बदलाव होंगे, लेकिन कहा जा रहा है कि इसकी संख्या एक दर्जन मंत्रियों तक जा सकती है। खास बात है कि 18 जून को राज्यसभा चुनाव हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी कैबिनेट को लेकर बड़े फैसले ले सकती है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि कम से कम 2 कैबिनेट मंत्री बनेंगे।

दूसरे दलों को भी मिलेंगे पद

रिपोर्ट के मुताबिक, सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज है कि मोदी सरकार की नई कैबिनेट में जेडीयू, टीडीपी और अन्य सहयोगी दलों को जगह मिल सकती है। इसमें भी नीतिश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी को सबसे ज्यादा फायदा हो सकता है। जबकि, सहयोगी दलों के ज्यादातर नेताओं को राज्य मंत्री का पद मिलने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि राज्यसभा का कार्यकाल पूरा कर रहे कई मंत्रियों को इस साल या 2027 की शुरुआत में संगठन में भेजा जा सकता है।

इन मंत्रालयों में बदलाव के आसार

रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे, वित्त, कॉर्पोरेट अफेयर्स, कोयला, टेक्सटाइल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, ग्रामीण विकास, रसायन और उर्वरक, सहकारिता, मत्स्य पालन, जल शक्ति, कृषि और पर्यावरण, कानून और अन्य में बदलाव के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। 18 के चुनाव में आंध्र, गुजरात, कर्नाटक, एमपी, राजस्थान और झारखंड की सीटें शामिल हैं।

झमाझम बारिश के आसार, आगे बढ़ा मानसून

- अब तक 13 राज्य कवर किए, आज मुंबई पहुंचेगा
- यूपी के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून 5 दिन में 13 राज्यों तक पहुंच गया है। सोमवार को तेलंगाना में एंट्री कर चुका है। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है।

मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए। केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी

है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं। इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। सोमवार को श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री दर्ज किया गया। केरलम में मानसून 4 जून को पहुंचा था। सोमवार को मानसून ने तेलंगाना में एंट्री कर ली। इससे पहले रविवार को मानसून त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड तक पहुंचा था। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2-3 दिनों में यह कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर के बाकी इलाकों में आगे बढ़ सकता है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी अगले कुछ दिनों में मानसून पहुंच सकता है। पश्चिमी तट पर मानसून सक्रिय हो गया है।

राजस्थान का श्रीगंगानगर सबसे गर्म पारा 45 डिग्री

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्मी फिर तेज हो गई है।

आईएमडी ने आज 8 राज्यों में लू का अलर्ट दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 जून तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान एक बार फिर 45 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। वहीं, दिल्ली में भी तापमान 43.4 डिग्री दर्ज किया गया।

महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा, कार-बाइक टक्कर में 6 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना अमलनेर क्षेत्र के लोंढे फाटा के पास सुबह करीब सात बजे हुई। पुलिस के अनुसार गुजरात से एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे लोगों की कार की सामने से आ रही मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बस से जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार नंदलाल महाजन, अनीता महाजन, सुरेश महाजन और निर्मला महाजन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मोटरसाइकिल सवार निलेश तावड़े और फाल्गुनी भोई ने भी दम तोड़ दिया। कार चालक आदित्य महाजन के पैर में फ्रैक्चर हुआ है और उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आप नेता अरोड़ा पर ईडी की रेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को 100 करोड़ रुपए के कथित जीएसटी धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच के तहत पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड और उससे संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के ठिकानों की तलाशी ली गई। अधिकारियों के अनुसार, जालंधर, लुधियाना, बरेली और नोएडा समेत कुल छह स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान आवासीय और व्यावसायिक परिसरों से दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड से जुड़े वित्तीय लेन-देन और कथित मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों की जांच कर रही है।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में नया मोड़, भाजपा समर्थित उम्मीदवार का नामांकन फिलहाल होल्ड पर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में राज्यसभा चुनाव के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र को निर्वाचन अधिकारियों ने फिलहाल होल्ड पर रख दिया है। वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर कुछ आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। नामांकन पत्र से जुड़े तीन बिंदुओं पर सवाल उठाए गए हैं, जिनकी जांच निर्वाचन अधिकारी कर रहे हैं। इन आपत्तियों पर अंतिम फैसला होने तक उनके नामांकन को लंबित रखा गया है। राज्यसभा की दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव में मुकाबला पहले ही रोचक बना हुआ है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने प्रणव झा को मैदान में उतारा है। दूसरी ओर, परिमल नाथवानी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नाथवानी की उम्मीदवारी ने चुनावी गणित को और दिलचस्प बना दिया है। राज्य की दो सीटों के लिए त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन गई है और विभिन्न दलों के विधायकों के समर्थन को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। गौरतलब है कि झारखंड की इन दो राज्यसभा सीटों पर चुनाव 18 जून को होना है। एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन के कारण रिक्त हुई थी, जबकि दूसरी सीट पर भारतीय जनता पार्टी के दीपक प्रकाश का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट कब होगी खत्म? रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया रेलवे का रोडमैप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे में यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए सबसे बड़ी समस्या कन्फर्म टिकट की होती है। ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रेलवे इस समस्या को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है और आने वाले वर्षों में स्थिति में काफी सुधार देखने को मिलेगा। एक विशेष साक्षात्कार में रेल मंत्री ने बताया कि वेटिंग लिस्ट की मुख्य वजह यात्रियों की भारी संख्या और उपलब्ध सीटों के बीच बड़ा अंतर है। उनके अनुसार, हर साल भारतीय रेलवे से करीब 750 करोड़ यात्री सफर करते हैं, जबकि सड़क परिवहन और हवाई यात्रा का आंकड़ा इससे काफी कम है। इसी कारण रेलवे पर अत्यधिक दबाव बना रहता है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए देश में दो से ढाई हजार नई ट्रेनें शुरू करने की आवश्यकता है। इसके लिए रेलवे लगातार नई पटरियां बिछा रहा है और मौजूदा नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 36 हजार किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई जा चुकी हैं और लगभग 70 हजार किलोमीटर ट्रैक का उन्नयन किया गया है।

तीन साल में 731 मौतों के बाद भी शांत नहीं हुआ मणिपुर, नगा गांव में हमले के बाद बढ़ा तनाव, सुरक्षा बलों को लेकर नई शर्त

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 3 साल से जातीय हिंसा चल रही है। राज्य में पूरी तरह शांति नहीं है। कांगपोकपी जिले के पोंग्रिंगलॉन्ग रोंग्मेई नगा गांव में कुकी उग्रवादी संगठन ने गोलीबारी की। इस घटना के बाद लापता चुन्जांग्लुंग पान्मेई नाम के नगा विलेज गार्ड का शव जंगलों से मिला है। उसके सिर पर गोली मारी गई थी। इसके बाद फैसला लिया गया है कि गांवों में सुरक्षा बलों की एंट्री पर विलेज अथॉरिटी को पहले खबर देनी होगी। गौरतलब है कि मणिपुर में जारी हिंसा-तनाव की वजह से बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। आरटीआई से मांगी गई जानकारी में सामने आया है कि तीन साल में 731 विस्थापित अपनी जान गंवा चुके हैं। चूराचांदपुर में सबसे ज्यादा 248, बिष्णुपुर में 151 और कंग्पोकपी में 128 मौतें दर्ज हुई हैं। जबकि राज्य के 9 जिलों में अभी भी 43,676 लोग विस्थापित हैं। इस बीच नगा समूहों का आरोप है कि केंद्र कुकी समूहों का इस्तेमाल शैडो वॉर (छाया युद्ध) के तौर पर कर रहा है। इसके अलावा चिंग मामांग गांव में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें एक घायल हुआ है। नगा संगठनों ने सुरक्षा बलों पर पक्षपात का आरोप लगाया है। साथ ही निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस बीच, नोने जिले के लोंग्जांग/ठंगाल गांव की विलेज अथॉरिटी ने राज्य पुलिस, असम राइफल्स, सीआरपीएफ को नोटिस दिया है।

अवैध निर्माणों पर एमडीडीए का बड़ा वार, कुल्हान और चन्द्रवनी में चार भवन सील

बिना स्वीकृत मानचित्र बन रहे फ्लैट और डुप्लैक्स पर सख्त कार्रवाई

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। राजधानी देहरादून में अवैध निर्माणों के खिलाफ मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। प्राधिकरण ने कुल्हान और चन्द्रवनी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अवैध भवनों को सील कर दिया। इनमें फ्लैट और डुप्लैक्स भवन शामिल हैं, जिनका निर्माण बिना आवश्यक स्वीकृतियों और नियमों के विपरीत किया जा रहा था। एमडीडीए की इस कार्रवाई को राजधानी में बढ़ते अवैध निर्माणों के खिलाफ अब तक की सबसे महत्वपूर्ण कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है।

शिकायतों और निरीक्षण के बाद हुई कार्रवाई

एमडीडीए को इन निर्माणों के संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इसके बाद अधिकारियों ने क्षेत्रीय निरीक्षण किया, जिसमें कई निर्माण कार्य नियमों के विपरीत पाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम के तहत सीलिंग की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृत मानचित्र और आवश्यक अनुमति के किए जा रहे किसी भी निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कुल्हान में फ्लैट परियोजना पर चला हंटर

प्राधिकरण की पहली कार्रवाई नागल हटनाल, कुल्हान क्षेत्र में की गई। यहां चिराग तलवार द्वारा दो बहुमंजिला भवनों को जोड़कर फ्लैट विकसित किए जा रहे थे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि निर्माण कार्य निर्धारित नियमों और स्वीकृतियों के अनुरूप नहीं था। इसके बाद एमडीडीए की टीम ने दोनों भवनों में बनाए जा रहे फ्लैटों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता शैलेन्द्र सिंह रावत और उनकी टीम मौजूद रही।

चन्द्रवनी में दो डुप्लैक्स भवनों पर लगा ताला

इसके बाद एमडीडीए की टीम ने चन्द्रवनी रोड स्थित द्वारिका पुरी क्षेत्र में कार्रवाई की। यहां सुभाष चौधरी द्वारा दो डुप्लैक्स भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। जांच में निर्माण कार्य नियमों के अनुरूप नहीं पाया गया। प्राधिकरण ने दोनों डुप्लैक्स भवनों को सील कर निर्माण गतिविधियों पर रोक लगा दी। इस दौरान सहायक अभियंता विजय सिंह रावत, अवर अभियंता मुनेश राणा तथा सुपरवाइजरों की टीम मौके पर मौजूद रही।

शहरी व्यवस्था के लिए खतरा हैं अवैध निर्माण

एमडीडीए का कहना है कि राजधानी देहरादून में अवैध निमार्णों के खिलाफ लगातार निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। बिना स्वीकृत मानचित्र के बनाए जा रहे भवन शहरी नियोजन व्यवस्था को प्रभावित करते हैं और भविष्य में यातायात, पार्किंग, पेयजल, सीवरेज और आपदा प्रबंधन जैसी मूलभूत सुविधाओं पर अतिरिक्त दबाव पैदा करते हैं। यही कारण है कि ऐसे मामलों में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सीलिंग, ध्वस्तीकरण और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई: बंशीधर तिवारी (उपाध्यक्ष)

"एमडीडीए क्षेत्र में अवैध निमार्णों के खिलाफ हमारी कार्रवाई पूरी सख्ती के साथ जारी है। कुल्हान और चन्द्रवनी में की गई सीलिंग यह स्पष्ट संदेश देती है कि बिना स्वीकृत मानचित्र के कोई भी निर्माण स्वीकार नहीं होगा। हमारा उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि राजधानी में सुनियोजित, सुरक्षित और नियमसम्मत विकास सुनिश्चित करना है।"

अवैध निमार्णों की लगातार की जा रही है निगरानी: मोहन सिंह बर्निया (सचिव)

"प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निमार्णों की लगातार निगरानी की जा रही है और जहां भी नियमों का उल्लंघन सामने आएगा, वहां तत्काल कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों को चाहिए कि वे किसी भी निर्माण कार्य से पहले स्वीकृत मानचित्र और आवश्यक अनुमतियां अवश्य प्राप्त करें।"

खान सर को पटना सिविल कोर्ट से बड़ी राहत, गिरफ्तारी पर रोक

पटना (एजेंसी)। पटना के चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर को पटना सिविल कोर्ट से एक बड़ी अंतरिम राहत मिल गई है। खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को अदालत में विस्तृत सुनवाई हुई थी, जिसके बाद न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को अदालत ने अपना आदेश जारी करते हुए खान सर को अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। कोर्ट ने पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए खान सर के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। अदालत के इस आदेश के बाद फिलहाल खान सर की गिरफ्तारी पर तलवार लटकना बंद हो गई है। इसके साथ ही माननीय न्यायालय ने पुलिस को खान सर का पूरा आपराधिक इतिहास और मामले से जुड़ी केस डायरी अगली तारीख तक उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई आगामी 30 जून को तय की गई है। बता दें कि यह पूरा विवाद तब गहराया जब पुलिस ने खान सर के खिलाफ हत्या का प्रयास और आर्म्स एक्ट जैसी कई गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में नामजद होने के बाद खान सर अचानक से मुख्यधारा से गायब हो गए थे। उन्हें तलाशने के लिए पुलिस की टीमों ने उनके प्रसिद्ध संस्थान खान ग्लोबल कोचिंग सेंटर पर भी छापेमारी की थी, लेकिन खान सर पुलिस के हाथ नहीं आए। इसके बाद लगातार यह कयास लगाए जा रहे थे कि खान सर के वकील या तो कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल करेंगे या फिर खान सर किसी भी समय अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण (सरेंडर) कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने सरेंडर करने के बजाय कानूनी रास्ता चुना और अपनी जमानत याचिका दायर की। सोमवार की बहस के बाद सुरक्षित रखे गए फैसले में मंगलवार को उन्हें कोर्ट से यह बड़ी राहत मिल गई, जिससे उनके प्रशंसकों और छात्रों ने राहत की सांस ली है।

अल-नीनो के बाद भी मॉनसून की रफ्तार तेज: कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

उत्तर भारत में आंधी-तूफान के साथ पश्चिमी विक्षोभ का असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल-नीनो जैसी प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों की चुनौती के बावजूद देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बेहद मूसलाधार बारिश करवाता हुआ तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त ताजा जानकारी के अनुसार, मॉनसून ने देश के एक बड़े हिस्से में अपनी मजबूत दस्तक दे दी है। यह अब तक महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के साथ-साथ पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों को पूरी तरह से कवर कर चुका है। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि आने वाले सात दिन देश के कई राज्यों के लिए मौसम के लिहाज से काफी भारी पड़ सकते हैं। केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, मेघालय और पश्चिम बंगाल के उप-हिमालयी क्षेत्रों में अत्यंत भारी बारिश होने की प्रबल आशंका जताई गई है। इसके साथ ही, मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार और देश की राजधानी दिल्ली में भी नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। आगामी 11 से 12 जून के दौरान उत्तर भारत के कई मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी उलटफेर देखने को मिल सकता है।

मौसम के इस बदलते मिजाज के बीच मॉनसून की अगली दिशा को लेकर वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह बहुत जल्द पूर्वोत्तर के बचे हुए हिस्सों को अपने प्रभाव में ले लेगा। इसके अतिरिक्त, अगले दो से तीन दिनों के भीतर मॉनसून के ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के शेष इलाकों को भी पूरी तरह कवर करने की अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। यदि मॉनसून की यही रफ्तार बनी रही, तो आगामी 5 जुलाई तक यह पूरे देश में सक्रिय हो जाएगा। वर्तमान में महाराष्ट्र के कई तटीय और आंतरिक हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के पहुंचने से झमाझम बारिश का दौर शुरू हो चुका है, जिससे स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। दूसरी तरफ, उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भारत के मौसम को प्रभावित करने के लिए एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। मौसम विभाग के अपडेट के मुताबिक, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में दस्तक देने वाला यह विक्षोभ अगले तीन से चार दिनों के भीतर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश का कारण बनेगा। इन पर्वतीय राज्यों में 9 से 14 जून तक रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। पहाड़ी इलाकों के अलावा मैदानी क्षेत्रों में भी इसका व्यापक असर दिखेगा, जिसके चलते 10 से 14 जून के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान के हिस्सों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और गिलगित-बाल्टिस्तान में 11 और 12 जून को विशेष रूप से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है, जबकि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के मैदानी भागों में इन्हीं दो दिनों के दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी आँधियां चलने का अनुमान लगाया गया है।

उत्तर प्रदेश और बिहार के मौसम की बात करें, तो 10 से 14 जून के बीच उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में बारिश का नया दौर शुरू होने जा रहा है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी 9 से 14 जून के बीच मध्यम से भारी बारिश के आसार बने हुए हैं। पड़ोसी राज्य बिहार में 10 जून के बाद राजधानी पटना सहित सिवान, भागलपुर और मुंगेर जैसे जिलों में मध्यम स्तर की वर्षा दर्ज की जा सकती है। इसके साथ ही झारखंड, बिहार और गंगा नदी के मैदानी इलाकों में 10 से 15 जून के बीच आंधी-तूफान के साथ मूसलाधार बारिश की चेतावनी दी गई है। राजधानी दिल्ली में हालांकि बीते 24 घंटों में पालम और आयानगर जैसे कुछ सीमित स्थानों पर ही हल्की वर्षा दर्ज हुई थी और तापमान में आंशिक बढ़ोतरी देखी गई थी, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 10 जून तक अधिकतम तापमान भले ही 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाए, परंतु 11 जून से आने वाली आंधी और बारिश के कारण तापमान में एक बार फिर बड़ी गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलेगी।

ममता ने कल्याण बनर्जी को बनाया लोकसभा का चीफ व्हिप

-20 बागी सांसदों के अलग गुट बनाने के बाद स्पीकर को भेजा पत्र

-काकोली घोष दस्तीदार को चुन चुके हैं बागी सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी राजनीतिक उठापटक के बीच पार्टी प्रमुख और संसदीय दल की चेयरपर्सन ममता बनर्जी ने लोकसभा में वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी को पार्टी का नया चीफ व्हिप नियुक्त किया है। इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है कि इस नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब एक दिन पहले ही लोकसभा में टीएमसी के 28 सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर पार्टी नेतृत्व से अलग होने का दावा किया था। बागी सांसदों ने केंद्र की एनडीए सरकार को समर्थन देने की घोषणा करते हुए सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। काकोली घोष दस्तीदार ने बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला पत्र लोकसभा अध्यक्ष को भेजकर अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में मान्यता और सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग भी की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय के आवास पर बागी सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें जून मालिया, बापी हलदर, अबू ताहिर खान और असित कुमार मल समेत कई सांसद शामिल हुए। बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी वहां पहुंचे और सांसदों से मुलाकात की। इससे पहले 9 जून को 11 बागी सांसदों ने केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पश्चिम बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की थी। उस बैठक में भी शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी चर्चा का विषय रही थी।

संसद में टीएमसी की स्थिति

लोकसभा में टीएमसी के वर्तमान में 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया था, जब 80 में से 58 विधायकों ने अलग गुट बनाने का दावा किया था। इस समूह ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना था। लगातार हो रहे इन घटनाक्रमों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। अब नजर लोकसभा अध्यक्ष के फैसले और बागी सांसदों की मान्यता संबंधी मांगों पर टिकी हुई है, जिनका असर संसद और राज्य की राजनीति दोनों पर पड़ सकता है।

टीएमसी में बड़ी बगावत, यूसुफ पठान भी कर रहे हैं एनडीए का समर्थन

लद्दाख (एजेंसी)। कोलकाता, (ईएमएस)। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के संसदीय दल पर अचानक एक बड़ा संकट मंडराता नजर आ रहा है। अधिकांश सांसदों के समर्थन का दावा करने वाले पार्टी के एक बागी गुट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का साथ छोड़कर केंद्र की सत्ताधारी एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को समर्थन देने का चौंकाने वाला फैसला किया है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि इन बागी सांसदों के गुट में पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान लोकसभा सांसद यूसुफ पठान भी शामिल हैं। हालांकि, यूसुफ पठान की तरफ से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह सारा घटनाक्रम ठीक उस समय हुआ जब ममता बनर्जी विपक्षी इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंची हुई थीं।

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम पर टीएमसी की वरिष्ठ नेता और सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बड़ा बयान देते हुए बागी गुट में यूसुफ पठान का नाम होने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कुल 20 सांसदों ने बगावत का रास्ता चुना है और अगर जरूरत पड़ी, तो वह सार्वजनिक रूप से एक-एक करके सभी के नामों का खुलासा कर सकती हैं। बागी गुट की प्रमुख बताई जा रहीं दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को अपने औपचारिक समर्थन की जानकारी देने का फैसला किया है। उन्होंने फोन पर इस बात की पुष्टि की है कि उनके सहित लगभग बीस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भेजने का मन बना लिया है।

इस बगावत की खबरों के बीच सोमवार को टीएमसी की तेजतर्रार सांसद महुआ मोइत्रा ने यूसुफ पठान पर तीखा जुबानी हमला बोला। उन्होंने पठान पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी को अमित शाह का फोन आने पर इतनी जल्दी घुटने नहीं टेकने चाहिए। उन्होंने पठान को जिला की जनता द्वारा बड़े अंतर से जिताए जाने की याद दिलाते हुए अपनी राजनीतिक रीढ़ मजबूत रखने की नसीहत दी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थीं कि टीएमसी ने बहरामपुर सीट से उपचुनाव लड़कर ममता बनर्जी को लोकसभा भेजने के लिए यूसुफ पठान को इस्तीफे के लिए मनाने की कोशिश की थी, जिसमें पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली की भी मदद ली गई थी, लेकिन पठान ने इस्तीफा देने से साफ मना कर दिया था। हालांकि, बाद में सौरव गांगुली ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया था।

दुनिया में परमाणु हथियारों की होड़ जारी, पाक को पीछे छोड़ भारत ने बढ़ाया जखीरा

-भारत के पास 190 तो पाकिस्तान के पास 170 वॉरहेड्स हैं, रुस सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन और महाशक्तियों के बीच अविश्वास के माहौल में परमाणु हथियारों को लेकर बेहद चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रक्षा क्षेत्र पर नजर रखने वाली प्रतिष्ठित वैश्विक संस्था स्टॉकहोम ने अपनी सालाना सिपरी ईयरबुक 2026 जारी की है। परमाणु हथियारों की संख्या और उनके प्रभाव को कम करने के लिए दशकों से किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयास उल्टे होते दिख रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के कई देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बार फिर परमाणु हथियारों पर निर्भरता बढ़ा रहे हैं। उनका मॉडर्न कर रहे हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर परमाणु युद्ध या किसी गलतफहमी के कारण होने वाले परमाणु एस्केलेशन का खतरा बढ़ गया है। इस रिपोर्ट की सबसे बड़ी और खास बात यह है कि दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन के लिहाज से भारत ने एक नया मुकाम हासिल किया है। भारत का परमाणु हथियार भंडार साल 2025 के 180 वॉरहेड्स से बढ़कर 2026 में 190 वॉरहेड्स तक पहुंच गया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही भारत रणनीतिक रूप से अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान से आगे निकल गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपने परमाणु बलों और मिसाइल डिलीवरी सिस्टम को लगातार आधुनिक बना रहे हैं, लेकिन संख्या बल के मामले में भारत अब बढ़त बना चुका है। जहां भारत के पास अब 190 परमाणु हथियार हैं। वहीं पाकिस्तान के पास 170 वॉरहेड्स हैं। रिपोर्ट में भारत को लेकर एक बहुत ही अहम और ऑपरेशनल शिफ्ट का जिक्र किया गया है। भारत और चीन जैसे उभरते हुए परमाणु संपन्न देश अब शांति काल के दौरान भी अपनी मिसाइलों पर छोटी संख्या में परमाणु वॉरहेड तैनात कर सकते हैं। भारत अब किसी भी अप्रत्याशित संकट की स्थिति में बेहद कम समय में जवाबी कार्रवाई करने के लिए खुद को तैयार कर चुका है।

पूरी दुनिया के स्तर पर नजर डालें तो सिपरी का अनुमान है कि जनवरी 2026 तक दुनिया का कुल परमाणु भंडार 12187 वॉरहेड्स था। अगर इसकी तुलना एक साल पहले यानी 2025 से की जाए, तो तब यह संख्या 12241 थी। कुल संख्या में मामूली गिरावट जरूर दर्ज की गई है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट भ्रामक हो सकती है। देश अपने पुराने और सेवामुक्त हो चुके परमाणु हथियारों को नष्ट करने की प्रक्रिया को धीमा कर रहे हैं। नए, अधिक घातक परमाणु प्रणालियों की तैनाती को तेज कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में यह ट्रेंड पूरी तरह पलट सकता है और कुल संख्या फिर से बढ़ सकती है।

परमाणु हथियारों की होड़ में आज भी शीतयुद्ध के दो सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी यानी रूस और अमेरिका ही सबसे आगे हैं। वैश्विक स्तर पर इन दोनों देशों का ही दबदबा है। रूस इस समय दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु शक्ति संपन्न देश है। जिसके पास कुल 5420 वॉरहेड्स है। वहीं अमेरिका इस सूची में दूसरे स्थान पर है, जिसके पास वर्तमान में 5,042 वारहेड्स हैं। चीन भी अपने परमाणु बेड़े को बहुत आक्रामक तरीके से बढ़ा रहा है। चीन का परमाणु भंडार 600 से बढ़कर 620 वॉरहेड्स हो गया है।

रिपोर्ट में फ्रांस ने सबको चौंकाया है। फ्रांस ने अपने भंडार में सबसे तेज बढ़ोतरी करते हुए इसे 290 से सीधे 370 वॉरहेड्स तक पहुंचा दिया है। यूनाइटेड किंगडम ने अपनी रणनीतिक क्षमता को स्थिर रखा है। उसके पास वर्तमान में 225 वॉरहेड्स हैं। इजरायल का अनुमानित परमाणु भंडार बिना किसी बदलाव के 90 वॉरहेड्स है। उत्तर कोरिया भी लगातार घातक हथियार बना रहा है। उसका भंडार 50 से बढ़कर 60 वॉरहेड्स हो गया है। दुनिया के ये देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने परमाणु शस्त्रागार को नया रूप दे रहे हैं. कई नई परमाणु-सक्षम प्रणालियों को सेना में शामिल कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक सिपरी के निदेशक करीम हग्गाग ने स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के उपकरण के रूप में परमाणु हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा है। सैन्य प्रौद्योगिकी में नए विकास, वैश्विक स्तर पर हथियारों के नियंत्रण के समझौतों का कमजोर होना और महाशक्तियों के बीच बढ़ती राजनीतिक और सैन्य प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया को एक बेहद खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

डीएम ने फिर भूमाफिया के कब्जे से मुक्त कराया मकान, पीड़ित को किया सुपुर्द

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जा रही है। इतना ही नहीं शिकायतों का निस्तारण कराते हुए डीएम रविंद्र कुमार खुद मौके पर पहुंचकर भूमाफियाओं के हौसले तोड़ रहे है। एक बार फिर थाना विजयनगर क्षेत्र में उन्होंने ईश्वर पटेल के मकान को कब्जा मुक्त कराया है, जिस पर ताज मोहम्मद ने अपने साथियों के साथ मिलकर कब्जा किया हुआ था। इससे पहले भी थाना विजयनगर क्षेत्र में ही चंचल के मकान को ताज मोहम्मद के चुंगल से डीएम ने खुद मौके पर पहुंचकर छुड़वाया था। डीएम ने मौके पर ही ऐसे भूमाफियाओं को चिन्हित करते हुए उन पर ठोस कार्यवाही करने के आदेश दिया है, जिससे किसी भीअसहाय या दुर्लभ का फायदा यह भूमाफिया नहीं उठा सके। पीड़ित ने जनसुनवाई में डीएम को बताया कि उनके पिता विधासागर पटेल ने वर्ष 2004 में सजवान नगर क्षेत्र, विजयनगर, गाजियाबाद में 60 वर्ग गज का एक प्लॉट क्रय कर विधिवत रजिस्ट्री कराकर मकान का निर्माण कराया था। परिवार वर्ष 2021 तक उक्त मकान पर शांतिपूर्वक काबिज रहा। वर्ष 2021 में विधासागर पटेल की तबीयत खराब होने के कारण उनका उपचार दिल्ली में चलने लगा, जिसका लाभ उठाकर भू-माफिया

ताज मोहम्मद एवं उसके साथियों द्वारा मकान पर अवैध कब्जा कर लिया गया। पीड़ित परिवार लगातार विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाता रहा, किन्तु कहीं से भी उन्हें न्याय नहीं मिल सका। पीड़ित ने कहा कि हमने जिलाधिकारी के बारे में सुना और पढ़ा कि वह गरीबों और पीड़ितों को शीघ्र ही न्याय व सहायता दिलाते हैं, जिसके बाद बीते शनिवार को जिलाधिकारी से निवेदन करने पहुंचा किन्तु मुलाकात नहीं हुई और हम प्रार्थना पत्र देकर आ गये। उसके बाद बीते सोमवार को जिलाधिकारी से मुलाकात कर पूरी घटना से अवगत कराया तथा अपने मकान को भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराकर पुनः कब्जा दिलाने की गुहार लगाई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए। अधिकारियों द्वारा अभिलेखों, स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों तथा मौके की स्थिति का गहन परीक्षण किया गया। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई करते हुए मकान को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया तथा मात्र 24 घंटे के भीतर पीड़ित परिवार को पुनः कब्जा दिलाते हुए उनका विधिवत गृह प्रवेश कराया गया।

डिलीवरी के दौरान नवजात की टूटी हाथ की हड्डी, इलाज के दौरान मौत, परिजनों ने सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों पर लगाया लापरवाही का आरोप

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों पर प्रसव के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकीय लापरवाही के कारण नवजात को गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पिलखुवा के मोहल्ला शुक्लान निवासी रवि ने बताया कि 6 मई को उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी को रेलवे रोड स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया था। प्रसव के दौरान उनकी पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया। जन्म के कुछ समय बाद अस्पताल प्रशासन ने नवजात की हालत गंभीर बताते हुए उसे दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजन बच्चे को लेकर दूसरे अस्पताल पहुंचे, जहां एक्स-रे जांच में उसके एक हाथ की हड्डी टूटी हुई पाई गई। साथ ही सिर में रक्त जमा होने की भी

पुष्टि हुई। उपचार के दौरान कुछ ही देर बाद नवजात ने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक बालक के पिता रवि का आरोप है कि प्रसव के दौरान चिकित्सकों की लापरवाही के कारण ही बच्चे को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी जान चली गई। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी चिकित्सकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक अतुल चौहान ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हो गई है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने भी मामले की जांच कराने की बात कही है।

करोड़ों की लूट का खुलासा करने वाली पुलिस टीम का व्यापारियों ने किया सम्मान, फरार बदमाशों की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के प्रमुख उद्योगपति नरेन्द्र अग्रवाल के घर हुई करोड़ों रुपये की सनसनीखेज लूटकांड का सफल खुलासा करने पर व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह का भव्य सम्मान किया। व्यापारिक समुदाय ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मामले के खुलासे को सराहनीय बताते हुए पुलिस प्रशासन के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। गढ़ रोड स्थित उद्योगपति नरेन्द्र अग्रवाल के कार्यालय पर आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा तथा पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह का माल्यार्पण एवं पटका पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर नरेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि पुलिस की सक्रियता और पेशेवर कार्यशैली के कारण एक सप्ताह के भीतर मामले का खुलासा हुआ तथा लूटा गया माल भी बरामद कर लिया गया। इससे व्यापारियों का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हुआ

है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा और मजबूत कानून व्यवस्था किसी भी जिले के विकास की आधारशिला होती है। ऐसे मामलों के त्वरित खुलासे से आमजन और व्यापारिक वर्ग में सुरक्षा की भावना बढ़ती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस आगे भी अपराधियों के खिलाफ इसी तरह प्रभावी कार्रवाई करती रहेगी। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कहा कि लूटकांड में शामिल फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस हर समय मुस्तैद है। कार्यक्रम के दौरान विनीत अग्रवाल शारदा ने उद्योगपति नरेन्द्र अग्रवाल की मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर से दूरभाष पर वार्ता कराई। इस दौरान नरेन्द्र अग्रवाल ने शासन और प्रशासन की सक्रिय भूमिका के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें समय पर न्याय मिला है। समारोह में विनोद गुप्ता, चक्रवर्ती गर्ग, मोहित अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, संजय डाबर, अमित सिंघल, रविंद्र गुप्ता, नरेश गर्ग सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन 5589 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 2475 रहे अनुपस्थित, डीएम कविता मीना ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद हापुड़ में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती की लिखित परीक्षा के दूसरे दिन दोनों पालियों की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुई। जिले के नौ परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में कुल 5589 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 2475 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे और प्रत्येक अभ्यर्थी की सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा की पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की गई। पहली पाली में 2799 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1233 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार दूसरी पाली में 2790 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 1242 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। प्रत्येक केंद्र पर

अभ्यर्थियों की गहन तलाशी, स्क्रीनिंग तथा पहचान सत्यापन की प्रक्रिया अपनाई गई। परीक्षा संचालन के लिए नौ सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा नौ स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे। जिलाधिकारी कविता मीना ने प्रथम पाली के दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों एवं तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से एक घंटे पूर्व केंद्र में प्रवेश दिया जाए तथा उनकी स्क्रीनिंग और बायोमेट्रिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी सावधानी से की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्र परिसर में किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रखा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा और निर्धारित मानकों के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न कराई जा रही है। प्रशासन की प्राथमिकता परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि पुलिस भर्ती परीक्षा का आयोजन आगामी दिन भी जिले के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा, जिसके लिए प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में नकल का अनोखा तरीका बेनकाब, प्राइवेट पार्ट में छिपाकर लाया मोबाइल

हापुड़ (शिखर समाचार)। यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के दौरान पिलखुवा स्थित परीक्षा केंद्र पर नकल करने की कोशिश कर रहे एक अभ्यर्थी को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अपने प्राइवेट पार्ट में मोबाइल फोन छिपाकर परीक्षा कक्ष तक पहुंच गया था और शौचालय में बैठकर प्रश्नों के उत्तर इंटरनेट पर खोज रहा था। जानकारी के अनुसार जिले में आयोजित यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के लिए विभिन्न परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर मेटल डिटेक्टर, बायोमेट्रिक सत्यापन और पुलिस की कड़ी निगरानी के बावजूद आरोपी मोबाइल अंदर ले जाने में सफल हो गया। पिलखुवा स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शुरू होने के कुछ समय बाद अभ्यर्थी शौचालय जाने के बहाने बाहर

निकला। काफी देर तक वापस न लौटने पर केंद्र कर्मचारियों को संदेह हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो अभ्यर्थी मोबाइल फोन के माध्यम से प्रश्नपत्र और उनके उत्तर इंटरनेट पर खोजता मिला। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर मोबाइल फोन बरामद कर लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक अतुल चौहान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमरोहा निवासी सचिन के रूप में हुई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। इनमें दरोगा प्रेमचंद, दरोगा इरफान मोहम्मद, हेड कांस्टेबल नरेंद्र पाल, हेड कांस्टेबल नीतू तोमर, सिपाही अजय कुमार तथा प्रवीन कुमार शामिल हैं। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में मृत्यु के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर/सिम्भावली (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस ने सड़क दुर्घटना में मृत्यु के एक मामले में वांछित नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना सिम्भावली में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 141/2026, धारा 125(बी), 105 भारतीय न्याय संहिता तथा 3/181 मोटर वाहन अधिनियम के तहत बिना ड्राइविंग लाइसेंस तेज गति और लापरवाही से मोटरसाइकिल चलाकर दुर्घटना करने तथा उससे हुई मृत्यु के मामले में वांछित अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। अभियान के दौरान पुलिस ने अभियुक्त को हाईवे कट के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार

अभियुक्त की पहचान मुस्तकीम पुत्र अकबर निवासी थाना बिसौली, जनपद बदायूं के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक यशवीर सिंह तथा मुख्य आरक्षी विवेक कुमार शामिल रहे।

ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत अवैध शस्त्र सहित अभियुक्त गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अंतर्गत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मेरठ हाईवे पर चेकिंग अभियान के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई, जिसके कब्जे से अवैध असलहा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान विक्रम निवासी इंद्रा कॉलोनी, कस्बा गढ़, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में

संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। अभियुक्त की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक युवराज सिंह एवं थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किया डासना जेल का निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने डासना जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए वहां संचालित सुधारात्मक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के उपरांत अध्यक्ष ने जेल प्रशासन एवं जेल अधीक्षक/निरीक्षक सीताराम ने किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि कारागार केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण एवं समाज की मुख्यधारा से पुनः जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। उन्होंने विशेष रूप से बंदियों के शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जेल में बंदियों को शिक्षा से जोड़ने, उन्हें विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प एवं हथकौशल का प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में

सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से बंदियों को रिहाई के बाद सम्मानजनक जीवनयापन एवं रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। महिला बंदियों के लिए संचालित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी उन्होंने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा के साथ-साथ सिलाई, कढ़ाई, बुनाई एवं अन्य स्वरोजगारपरक गतिविधियों का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। ऐसे कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अध्यक्ष ने जेल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था, हरित वातावरण, पार्कों के सौंदर्यीकरण, पुस्तकालय तथा बंदियों के लिए विकसित की गई मूलभूत सुविधाओं की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सकारात्मक वातावरण बंदियों के मानसिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया तथा वहां उपलब्ध पुस्तकों एवं अध्ययन सुविधाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पुस्तकें व्यक्ति के विचारों एवं जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम होती हैं और बंदियों को अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करना एक सकारात्मक पहल है।

गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में यातायात व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात राजकरन , पुलिस उपायुक्त यातायात त्रिगुण बिसेन, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, सभी सहायक पुलिस आयुक्त यातायात तथा यातायात निरीक्षक उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान बीते माह में की गई प्रवर्तन कार्रवाई, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयास, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले जाम की समस्या तथा आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की गई। पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिए कि 15 जून तक स्थानीय पुलिस, यातायात पुलिस और विभिन्न विभागों जैसे जीडीए, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, एनएचएआई, जलकल विभाग, बिजली विभाग तथा वन विभाग के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर लंबित कार्यों को कांवड़ यात्रा से पहले पूरा कराया जाए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि यात्रा मार्गों पर किसी प्रकार की अव्यवस्था न रहे और श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन की सुविधा मिले। बैठक में मैरिज होम, बैंक्वेट हॉल, होटल और जिम में कार्यरत कर्मचारियों का सत्यापन अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। इसके लिए स्थानीय पुलिस को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 500 चयनित ट्रैफिक वालंटियरों की कार्यशाला आयोजित कर उन्हें यातायात प्रबंधन और कांवड़ यात्रा के दौरान निभाई जाने वाली जिम्मेदारियों के बारे में प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया गया।

आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में मेरठ परिक्षेत्र प्रदेश में प्रथम

मेरठ (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में मेरठ परिक्षेत्र ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। माह मई 2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर जारी रैंकिंग में मेरठ परिक्षेत्र के साथ जनपद मेरठ भी प्रथम स्थान पर रहा। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने बताया कि आईजीआरएस, जनसुनवाई एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का शासन की मंशानुसार समयबद्ध एवं विधिक निस्तारण सुनिश्चित किया गया। इसी का परिणाम है कि मई 2026 की मूल्यांकन रिपोर्ट में मेरठ परिक्षेत्र को प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने परिक्षेत्र के सभी जनपद प्रभारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस प्रणाली से प्राप्त शिकायतों का उच्च गुणवत्ता के साथ

समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका विधिक समाधान कराया जाए। डीआईजी ने निर्देश दिए कि आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों की जांच आख्या अपलोड करने से पूर्व थाना प्रभारी स्वयं फीडबैक प्राप्त करें। पोर्टल से प्राप्त शिकायतों एवं फीडबैक संबंधी रजिस्टरों को अद्यतन रखा जाए तथा प्रत्येक शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से संतुष्टि संबंधी फीडबैक अवश्य लिया जाए।

उन्होंने महिला, वरिष्ठ नागरिक एवं साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सभी थाना प्रभारियों से शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखते हुए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। डीआईजी ने लंबित शिकायतों की नियमित निगरानी के लिए साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित करने, तकनीकी संसाधनों एवं डिजिटल निगरानी प्रणाली का अधिक प्रभावी उपयोग करने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए थानों पर जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण से पुलिस और आमजन के बीच विश्वास तथा संवाद को और मजबूत किया जा सकता है। साथ ही निर्देश दिए कि शिकायतों की जांच संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर करें तथा केवल फोन अथवा थाने में बैठकर जांच रिपोर्ट प्रेषित न करें। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनपद स्तर पर प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए गए। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने कहा कि जन शिकायतों का शासन की मंशा के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण विधिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता को त्वरित लाभ मिल सके। समयबद्ध शिकायत निस्तारण से जहां लोगों को समय पर न्याय मिलता है, वहीं पुलिस के विरुद्ध आने वाली शिकायतों में भी कमी आती है।

ग्रीष्मावकाश में भी महक रहा सैदपुरी महीचंद स्कूल, हेडमास्टर मुकेश कुमार संवार रहे हैं ग्रीन कैंपस

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। ब्लॉक कोतवाली क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय सैदपुरी महीचंद में ग्रीष्मावकाश के दौरान भी स्वच्छता और हरियाली की अनूठी मिसाल देखने को मिल रही है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार के नेतृत्व में पूरे स्कूल परिसर को नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों के स्वागत के लिए आकर्षक, स्वच्छ और हरा भरा बनाया जा रहा है।

भीषण गर्मी के बावजूद प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार प्रतिदिन विद्यालय पहुंचकर पेड़ पौधों की सिंचाई, निराई गुड़ाई तथा देखभाल में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में विद्यालय परिसर में पौधों की कटाई छंटाई कर उन्हें सुंदर स्वरूप दिया गया है, ताकि अवकाश समाप्त होने के बाद जब विद्यार्थी विद्यालय लौटें तो उन्हें अध्ययन के लिए स्वच्छ, सुंदर और प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध हो सके।

प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार अपने

तन, मन, धन और समय के सहयोग से विद्यालय को एक आदर्श ग्रीन कैंपस के रूप में विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उनके इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। भीषण गर्मी के इस मौसम में जहां अधिकांश स्थानों पर जल संकट की स्थिति बनी हुई है, वहीं विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए पीने के पानी और दाने की नियमित व्यवस्था की गई है।

पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण की इस पहल का असर यह है कि विद्यालय परिसर में अनेक छोटे-छोटे पक्षियों ने अपना आशियाना बना लिया है। सुबह और शाम के समय पूरा परिसर पक्षियों की मधुर चहचहाहट से गूंज उठता है, जिससे विद्यालय का वातावरण और भी मनमोहक बन गया है। मुकेश कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुंदर और प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे और पक्षी हमारे परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। गर्मी के मौसम में उनकी देखभाल करना प्रत्येक व्यक्ति का मानवीय दायित्व है। उनका प्रयास है कि विद्यालय खुलने पर विद्यार्थियों को ऐसा सुखद और प्रेरणादायक वातावरण मिले, जो उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध हो।

विद्यालय में चल रही यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है। ग्रीष्मावकाश के दौरान भी विद्यालय परिसर की हरियाली और स्वच्छता यह साबित कर रही है कि दृढ़ संकल्प और समर्पण से किसी भी शैक्षणिक संस्थान को आदर्श स्वरूप प्रदान किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम का नाला सफाई का चला अभियान

गोरखपुर , एजेंसी। मानसून से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने शहर के प्रमुख नालों की सफाई का अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को बेतियाहाता-कसया रोड स्थित बड़े नाले की सफाई पोकलेन मशीन और सफाई कर्मियों की मदद से कराई गई। इस दौरान नाले से बड़ी मात्रा में सिल्ट और कचरा निकाला गया। फिराक चौराहे स्थित बड़े नाले की सफाई के दौरान स्थानीय पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी ने सफाई कर्मियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि करीब 18 फीट गहरे नाले में कर्मचारी बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के उतरकर सफाई कार्य कर रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नालों में जहरीली गैस या विषैले जीव-जंतु होने का भी खतरा रहता है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन और शासन से सफाई कर्मियों को आवश्यक सुरक्षा किट, मास्क, दस्ताने और अन्य उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की।

दोस्तों संग पार्टी करके घर लौटा युवक, फंदा लगाकर दी जान; हाथ पर लिखा था लड़की का नाम

बरेली, एजेंसी। बरेली के राजेंद्रनगर निवासी सनी श्रीवास्तव ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह उसका शव कमरे में दुपट्टे के सहारे लटका मिला। पोस्टमार्टम में लटकने से मौत की पुष्टि हुई। उसकी मौत से परिजनों को गहरा सदमा लगा है। उसने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण नहीं पता चल सका। प्रेमनगर थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह को सनी के परिजन ने बताया कि 30 वर्षीय सनी श्रीवास्तव राजेंद्रनगर स्थित केके हॉस्पिटल के पास रहता था। भाई-बहनों में वह सबसे छोटा था और आईवीआरआई के सामने किराने की दुकान पर काम करता था। शनिवार रात वह दोस्तों के साथ घूमने और पार्टी करने के बाद घर लौटा था। उसने खाना खाया और कमरे में सोने चला गया। रात में किसी समय उसने कमरे में कुंडे के सहारे दुपट्टे से लटककर जान दे दी। उसके हाथ पर लड़की का नाम गुदा हुआ है। रविवार सुबह उसकी मां गुड़िया देवी जब उसके कमरे में पहुंचीं तो उसे लटका हुआ देखा। तब परिवार ने पुलिस और रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया।

डायरिया से मौतों में 78 फीसदी की कमी, एम्स के डॉक्टरों ने किया अध्ययन

गोरखपुर , एजेंसी। एम्स के तीन संकाय सदस्यों ने संक्रामक रोगों (डायरिया व अन्य) से जुड़े एक महत्वपूर्ण वैश्विक अध्ययन में सहयोगी के रूप में योगदान देकर संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल द लैंसेट इन्फेक्शियस डिजीजेज में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में वर्ष 1990 से 2023 तक दुनिया भर में एंटेरिक संक्रामक रोगों और डायरिया जनित बीमारियों के बोझ का व्यापक विश्लेषण किया गया है। इसमें डायरिया से मौतों में 78 प्रतिशत की कमी मिली है।ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) स्टडी-2023 के तहत किए गए इस शोध में 204 देशों और क्षेत्रों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया। इसमें बीमारी की घटनाओं, मृत्यु दर, विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) तथा रोटावायरस, नोरोवायरस, शिगेला और एडेनोवायरस जैसे प्रमुख रोगजनकों की भूमिका का आकलन किया गया।अध्ययन में एम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉ. अरूप मोहंती, डॉ. यू. वेंकटेश और डॉ. अबू बशर ने योगदान दिया। शोध के अनुसार, वर्ष 2023 में एंटेरिक संक्रामक रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 12.7 लाख लोगों की मृत्यु हुई, जबकि वर्ष 1990 में यह संख्या 36.9 लाख थी। इस प्रकार तीन दशकों में मौतों की संख्या में करीब 66 प्रतिशत और आयु-मानकीकृत मृत्यु दर में लगभग 78 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

आधुनिक तकनीक से बेहतर उपचार पर देशभर के विशेषज्ञ करेंगे मंथन

गोरखपुर , एजेंसी। फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और बेहतर उपचार पद्धतियों पर चर्चा के लिए एक दिवसीय गोरखपुर फिजियोकॉनक्लेव का आयोजन 25 अक्तूबर को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन यूथ फिजियोथेरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन एवं इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट उत्तर प्रदेश ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में होगा। इस वर्ष सम्मेलन की थीम रोबोटिक रिहैबिलिटेशन रखी गई है। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष चर्चा होगी कि आधुनिक रोबोटिक तकनीकें पुनर्वास और उपचार के क्षेत्र में किस प्रकार उपयोगी साबित हो सकती हैं। विशेषज्ञ यह भी बताएंगे कि भविष्य में रोबोटिक मशीनों की मदद से मरीजों के इलाज और पुनर्वास को किस तरह अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। सम्मेलन में दिल्ली, बंगलूरू, हैदराबाद, देहरादून, पटना, रांची, वाराणसी और कानपुर समेत देश के विभिन्न शहरों से करीब एक हजार फिजियोथेरेपिस्ट, पुनर्वास विशेषज्ञ, शिक्षाविद और शोधकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है।

हाईटेंशन लाइन का तार टूटककर बस पर गिरा

करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

पीलीभीत, एजेंसी। पीलीभीत के जहानाबाद क्षेत्र के गांव गौनेरी में रविवार रात हुए दर्दनाक हादसे में निजी बस चालक और उसके पुत्र की करंट लगने से मौत हो गई। बरातियों को छोड़ने के बाद बस बैक करते समय बस पर ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। इससे बस में करंट फैल गया। उसमें सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। बस के अगले हिस्से में आग लगने से दोनों टायर भी जल गए। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया।

शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला फारूक निवासी सज्जन खां (56 वर्ष) निजी बस के मालिक होने के साथ स्वयं चालक का कार्य भी करते थे। उनकी ससुराल जहानाबाद क्षेत्र के गांव गौनेरी में है। रविवार को वह गौनेरी गांव से एक बरात लेकर बरेली गए थे। देर रात बरात वापस गांव पहुंची। बताया जाता है कि बरातियों को उतारने के बाद सज्जन खां बस को बैक कर रहे थे। इस दौरान उनका 16 वर्षीय पुत्र फारूक भी बस में सवार था।

हादसे के बाद मौके पर मची चीख-पुकार : ग्रामीणों के अनुसार बैक करते समय बस पर अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। तार गिरते ही बस में तेज करंट दौड़ गया और अगले हिस्से में आग लग गई। करंट की चपेट में आने से चालक सज्जन खां और उनके पुत्र फारूक की मौके पर ही मौत हो गई। आग की वजह से बस के अगले दोनों टायर भी जल गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

बिजली आपूर्ति बंद कराने के बाद पिता-पुत्र को बाहर निकाला गया। ग्रामीणों की मदद से दोनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग और परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। मृतक सज्जन खां के परिवार में अब उनका बड़ा पुत्र कामरान ही बचा है।

परिवार को टूटा दुखों का पहाड़ : पिता और पुत्र की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम सदर नताशा गोयल पुलिस बल के साथ जिला अस्पताल पहुंचीं। सुनगढ़ी और कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सदर ने बताया कि हादसा दुखद है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।

चंद मिनट पहले ही बस से उतरे थे 50 से अधिक बराती : हादसे से करीब 10 मिनट पूर्व ही 50 से अधिक बराती गांव पहुंचने के बाद बस से नीचे उतरे थे। इसके बाद ही हाई टेंशन लाइन का तार टूटकर गिरा और हादसा हो गया। गनीमत रही की अधिकांश लोग बस से उतर गए थे नहीं तो और बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रदूषण नियंत्रण और अच्छी सेहत के लिए दौड़ीं साइकिलें

आगरा, एजेंसी। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम से पांच किलोमीटर लंबी साइकिल रैली निकली। जिसमें 300 से अधिक छात्रों, खेल प्रशिक्षकों व क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए। रैली का उद्देश्य स्वास्थ्य, प्रदूषण नियंत्रण व नियमित शारीरिक व्यायाम के प्रति जनजागरूक करना था।

रैली का शुभारंभ क्षेत्रीय खेल कार्यालय के सहायक प्रशिक्षक राजेश यादव एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हरदीप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली स्टेडियम से निकल कर कंपनीबाग, फूल सैयद चौराहा, माल रोड, मुख्य डाकघर, सदर बाजार एवं सौदागर लाइन होते हुए स्टेडियम के मुख्य द्वार पर समाप्त हुई। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी निभाई।

प्रतिभागियों ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने व वाहन-निर्भरता कम करने के लिए प्रेरित करते हैं। साइकिल चलाना स्वास्थ्य, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम है। इस दौरान कबड्डी कोच विजयलक्ष्मी सिंह, क्रीड़ा भारती से मोहित वर्मा, राजेश कुशवाहा, ताज साइकिलिस्ट क्लब के संस्थापक सदस्य डॉ. एनएस लोधी, गोपाल अग्रवाल, महावीर सिंह, प्रदीप यादव, जय यादव, उमेश यादव, रोम हर्षन, निशांत मंगल, छायंक, आयुष सहित बड़ी संख्या में साइकिल प्रेमी मौजूद रहे।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के मद्देनजर 17 ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव, देरी से चलेंगी गाड़ियां

बरेली, एजेंसी। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 17 ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव किया है। आठ से 10 मई तक इन गाड़ियों को प्रारंभिक स्टेशनों से तीन घंटे तक देरी से चलाया जाएगा।

पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी सफदर हुसैन ने बताया कि 55330 बरेली जंक्शन-कासगंज जंक्शन सवारी गाड़ी को बरेली से 45 मिनट, 15061 कासगंज जंक्शन-लालकुआं एक्सप्रेस को कासगंज से 40 मिनट, 55335 कासगंज जक्शन-मथुरा जंक्शन सवारी गाड़ी को 80 मिनट की देरी से चलाया जाएगा।5-5337 कासगंज-भरतपुर सवारी गाड़ी को 20 मिनट, 55332 अछनेरा-कासगंज सवारी गाड़ी को 100 मिनट, 05061 अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी को 120 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। 55307 कासगंज-रामनगर सवारी गाड़ी को 50 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

75303 बरेली सिटी-पीलीभीत डेमू को बरेली सिटी से 40 मिनट, 55085 पीलीभीत-डालीगंज सवारी गाड़ी को पीलीभीत से 40 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। 75302 टनकपुर-पीलीभीत डेमू को पीलीभीत स्टेशन पर 35 मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा।

15038 कासगंज-कानपुर अनवरगंज एक्सप्रेस को 15 मिनट, 55344 कासगंज-फर्रुखाबाद सवारी गाड़ी को 35 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। 55345 लखनऊ-कासगंज सवारी गाड़ी को कानपुर अनवरगंज और फर्रुखाबाद के स्टेशनों पर 65 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

54156 फर्रुखाबाद-कानपुर सेंट्रल सवारी गाड़ी को 180 मिनट, 55346 कासगंज-कानपुर अनवरगंज सवारी गाड़ी को 35 मिनट, 15037 कानपुर अनवरगंज-कासगंज एक्सप्रेस को 95 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। 54155 कानपुर सेंट्रल-फर्रुखाबाद सवारी गाड़ी को आठ व नौ जून को कानपुर सेंट्रल से 145 मिनट की देरी से चलाया जाएगा।

कार में पति के साथ थी युवती

पत्नी ने रोकने की कोशिश की तो उसे 100 मीटर घसीटा

बरेली, एजेंसी। बरेली के भोजीपुरा इलाके में कार में पति के साथ दूसरी महिला को देखकर पत्नी ने उसे रोकने की कोशिश की। वह वाइपर पकड़कर बोनट पर लटक गई। इसके बावजूद पति ने कार नहीं रोकी। वह उसे सौ मीटर तक घसीटता ले गया। कार रुकी तो मौके पर खूब हंगामा हुआ। तीनों के बीच हाथापाई भी हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पत्नी ने पति के खिलाफ भमोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कटका रमन गांव निवासी गोदावरी उर्फ उषा कौर ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह शनिवार शाम सात वर्षीय बेटे विराट के साथ बरेली स्थित मकान से गांव जा रही थीं। इस दौरान वह देवचरा-बल्लिया रोड पर फूल मंडी के पास वाहन का इंतजार कर रही थीं। इस दौरान पति नेत्रपाल एक महिला संग कार में बैठे दिखे। ब्रेकर के पास कार की गति धीमी हुई तो गोदावरी ने कार का वाइपर पकड़ लिया, लेकिन पति ने कार नहीं रोकी। वह बोनट पर लटककर 100 मीटर तक घिसटती चली गईं। आसपास मौजूद लोगों ने कार रुकवाई तो पति-पत्नी और महिला के बीच नोकझोंक और हाथापाई भी हुई।

पति से महिला का है प्रेम प्रसंग : गोदावरी का आरोप है कि सास की विधवा पेंशन के लिए पति का पंचायत कार्यालय में आना-जाना है। वहां कार्यरत महिला से उनका प्रेम प्रसंग हो गया है। वहीं, महिला ने अपनी मां के साथ थाने जाकर आरोपों को निराधार बताया। कहा, कार्यालय से लौटने के दौरान नेत्रपाल ने लिफ्ट दी थी।

एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि गोदावरी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए विभाग प्रतिबद्ध : मुकेश पांडे

मुरादनगर (शिखर समाचार)। मेरठ-दिल्ली मार्ग स्थित एक भोजनालय में लघु उद्योग भारती एवं राज्यकर विभाग के संयुक्त तत्वावधान में व्यापारी संवाद एवं उद्यमी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यकर विभाग के अधिकारियों ने व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र तथा प्रभावी समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विभाग और व्यापार जगत के प्रतिनिधियों के बीच विभिन्न कर संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यकर विभाग के उप आयुक्त मुकेश पांडे ने कहा कि विभाग और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में व्यापारियों और उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनकी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यापारी वास्तविक भुगतान किए बिना फर्जी बिलों के माध्यम से कर देनदारी का समायोजन करने का प्रयास करता है तो ऐसे मामलों में विभाग द्वारा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उप आयुक्त अभिषेक सिंह ने स्थानीय स्तर पर माल ढुलाई से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा करते हुए कहा कि यदि किसी वस्तु की बिक्री स्थानीय क्षेत्र में की जाती है तथा उसकी ढुलाई रिक्शा, ठेला अथवा पल्लेदार के माध्यम से सीमित दूरी तक की जाती है तो सामान्यतः ई-वे बिल की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे मामलों में व्यापारियों को अनावश्यक नोटिस प्राप्त हो रहे हैं तो विभाग इसकी समीक्षा कर उचित समाधान सुनिश्चित करेगा।

बैठक के दौरान कई व्यापारियों ने दुहाई पुल के नीचे प्रवर्तन दल द्वारा मालवाहक वाहनों को अनावश्यक रूप से रोके जाने की समस्या उठाई। अधिकारियों ने इस संबंध में प्राप्त सुझावों और शिकायतों पर गंभीरता से विचार करने तथा आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

सहायक आयुक्त दीपिका कमल ने वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली में किए जा रहे तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों की जानकारी देते हुए बताया कि जीएसटी 2.0 के अंतर्गत कर व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और व्यापार-अनुकूल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था से अनुपालन प्रक्रिया आसान होगी तथा व्यापारियों को डिजिटल सुविधाओं का अधिक लाभ प्राप्त होगा।

इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष अमरीश गोयल ने कहा कि उद्योग और व्यापार क्षेत्र देश की आर्थिक प्रगति की रीढ़ हैं। उन्होंने राज्यकर विभाग द्वारा व्यापारियों के साथ सीधे संवाद स्थापित करने की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होता है। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार गोयल ने किया।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता, नगराध्यक्ष राजकुमार गर्ग, महामंत्री रमन गोयल, उपाध्यक्ष जितेंद्र चौधरी, अशोक अग्रवाल, दुहाई इकाई के अध्यक्ष सुनील त्यागी, अतुल गर्ग, महेशचंद्र सिंघल, प्रदीप गोयल, संजय गोयल, आशीष गर्ग, शिवकुमार गोयल, शोभित गर्ग, प्रमोद गोयल, मोहन कुमार, नवीन कुमार, सुशील जिंदल, अभिषेक गुप्ता, विशाल गोयल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

जब कोई अपना नहीं होता, तब शालू सैनी बन जाती हैं वारिस

एक ही दिन में दो लावारिस शवों का पूरे सम्मान और विधि विधान से किया अंतिम संस्कार

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। लावारिस और बेसहारा शवों को सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई देना अब शालू सैनी की पहचान बन चुका है। जैसे ही उन्हें किसी ऐसे मृतक की सूचना मिलती है, जिसका कोई परिजन या वारिस मौजूद नहीं होता, वे बिना देर किए मौके पर पहुंच जाती हैं और पूरे विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाती हैं।

बीते सोमवार को मुजफ्फरनगर जनपद के ककरौली और नई मंडी थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर मिले दो लावारिस शवों का अंतिम संस्कार शालू सैनी ने पूरे सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ कराया। दोनों मामलों में पुलिस द्वारा काफी प्रयास किए जाने के बावजूद मृतकों के किसी परिजन या परिचित का पता नहीं चल सका। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया, पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को लावारिस घोषित कर दिया गया।

सूचना मिलते ही शालू सैनी अपनी टीम के साथ अंतिम संस्कार की व्यवस्था में जुट गईं। उन्होंने दोनों मृतकों की अंतिम यात्रा को पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ संपन्न कराया। जिन लोगों का इस दुनिया में कोई अपना नहीं था, उनके लिए शालू सैनी बेटी, बहन और वारिस की भूमिका में सामने आईं तथा श्मशान घाट पर सभी आवश्यक रस्में निभाईं।

दोनों शवों को नई मंडी श्मशान घाट लाया गया, जहां मौजूद लोगों की आंखें उस समय नम हो गईं जब उन्होंने देखा कि जिन शवों को कोई अपना मानने वाला नहीं था, उनके लिए शालू सैनी स्वयं अर्थी को कंधा दे रही थीं, कफन की व्यवस्था कर रही थीं और पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कर रही थीं।

इस अवसर पर शालू सैनी ने कहा कि मृत्यु के बाद प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक विदाई मिलना उसका मूल अधिकार है। उनका उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि हर लावारिस और असहाय दिवंगत को गरिमापूर्ण अंतिम विदाई दिलाना है। उनका मानना है कि धर्म, जाति, रंग और पहचान से ऊपर मानवता सबसे बड़ा धर्म है।

स्थानीय लोगों ने शालू सैनी के इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए कहा कि वे पिछले कई वर्षों से बिना किसी स्वार्थ के लावारिस, अज्ञात और असहाय मृतकों का अंतिम संस्कार कर रही हैं। मौसम चाहे कोई भी हो, सूचना मिलते ही वे सेवा के लिए पहुंच जाती हैं।

शालू सैनी इस कार्य को अपना कर्तव्य और साधना मानते हुए वर्षों से निभा रही हैं तथा समाज को मानवता, संवेदनशीलता और सेवा का प्रेरणादायक संदेश दे रही हैं।

बुढ़ाना में जिला स्तरीय वुशु प्रतियोगिता आयोजित, 115 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे की वुशु एकेडमी में जिला स्तरीय वुशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें जिले की विभिन्न तहसीलों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिला वुशु सचिव अमीर आलम सैफी ने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 115 बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिताएं सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्गों में आयोजित की गईं। महिला वर्ग में शिवानी त्यागी, प्रिया पाल, गरिमा, आरती और स्वाति सहित 24 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं पुरुष वर्ग में रूद्र कुमार, खालिद, निशांत, विजय, प्रशांत सहित कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले सभी खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर आयोजकों और प्रशिक्षकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कोच मनीष शर्मा, एकेडमी कोच आर्यन सैफी, हर्ष सैनी, आशीष ठाकुर, इकराम राज, शिवम भटनागर, विकास कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

20 परीक्षा केंद्रों पर चल रही पुलिस भर्ती परीक्षा का डीएम ने किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 परीक्षा जनपद गौतमबुद्धनगर के 20 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा रही है। परीक्षा 08, 09 और 10 जून को दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित हो रही है। मंगलवार को जिलाधिकारी ने भारतीय आदर्श इंटर कॉलेज, तिलपता (ग्रेटर नोएडा) परीक्षा केंद्र का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम, परीक्षा कक्षों, अभ्यर्थियों की प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता, सतर्कता और अनुशासन के साथ संपन्न कराया

जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखने तथा कंट्रोल रूम से गतिविधियों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। प्रशासन के अनुसार जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो रही है। निरीक्षण के दौरान केंद्र व्यवस्थापक, विद्यालय प्रशासन एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम रिपोर्ट में नहीं हुआ मौत के कारणों का खुलासा, बिसरा जांच के लिए भेजा गया

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रबूपुरा क्षेत्र में रहस्यमय परिस्थितियों में हुई दो बच्चों की मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नहीं हो सका है। मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए बिसरा सुरक्षित कर फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चों की मौत के कारणों के संबंध में स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। उधर, अस्पताल में भर्ती बच्चों की मां की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका उपचार जारी है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर संक्रमण, फंगस अथवा अन्य संभावित कारणों की गहन जांच की। टीम ने घर के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ फ्रिज और खाद्य सामग्री की भी जांच-पड़ताल की, लेकिन कोई भी संदिग्ध तथ्य सामने नहीं आया। दो मासूम बच्चों की अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजन अभी तक घटना के कारणों को लेकर असमंजस में हैं। घटना के बाद से परिवार को सांत्वना देने के लिए रिश्तेदारों, परिचितों और क्षेत्रीय लोगों का लगातार आना-जाना लगा हुआ है। कोतवाली प्रभारी श्याम बाबू शुक्ला ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। बिसरा सुरक्षित कर जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जेवर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सर्फे जेया ने बताया कि संक्रमण या फंगस जैसी किसी आशंका को ध्यान में रखते हुए पूरे घर की बारीकी से जांच की गई। फ्रिज और अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया गया, लेकिन जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

किशोरियों को विधिक अधिकारों की दी जानकारी, जागरूकता शिविर आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश तथा जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के मार्गदर्शन में जगशांति उद्यान गृह (बालिका गृह), सेक्टर गामा, ग्रेटर नोएडा में किशोरियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

बालिका गृह में संचालित समर कैंप के अंतर्गत आयोजित इस शिविर की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी रावत ने की। शिविर में किशोरियों को उनके विधिक अधिकारों, शिक्षा के अधिकार तथा मानव तस्करी एवं यौन शोषण के विरुद्ध उपलब्ध कानूनी संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

शिवानी रावत ने बताया कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को कक्षा 1 से 8 तक निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे के सर्वांगीण विकास का आधार है और इसके प्रति जागरूक होना आवश्यक है।

शिविर में मानव तस्करी और यौन शोषण के विरुद्ध संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला गया। किशोरियों को बताया गया कि संविधान के अनुच्छेद 23 और 24 के तहत मानव तस्करी, बेगार तथा जबरन मजदूरी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अतिरिक्त अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम, 1956, पॉक्सो अधिनियम तथा अन्य संबंधित कानूनों के माध्यम से पीड़ितों की सुरक्षा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया गया है।

कार्यक्रम में जगशांति उद्यान गृह की प्रबंधक निधि, बड़ी संख्या में किशोरियां तथा संस्थान का स्टाफ उपस्थित रहा। शिविर के माध्यम से किशोरियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें कानूनी सहायता और संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

अपात्रों के राशन कार्ड होंगे निरस्त, ई केवाईसी में लाई जाएगी तेजी

बिजनौर (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में राशन कार्ड धारकों का नियमित सत्यापन कराया जाए, ताकि अपात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड निरस्त कर केवल पात्र लाभार्थियों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि राशन वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शेष राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कोटेदारों के माध्यम से लाभार्थियों को जागरूक कर शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने गोदामों से राशन का समयबद्ध उठान सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक माह निर्धारित तिथियों के भीतर सभी लाभार्थियों तक राशन पहुंचाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा सीधे लोगों के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है, इसलिए वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना आवश्यक है।

बैठक में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को रोस्टर बनाकर नियमित जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, जिला पूर्ति अधिकारी अभय प्रताप सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला को तीन दिन तक कमरे में बंधक बनाकर पीटने का आरोप, पुलिस ने कराया मुक्त

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के सुजानपुर अखाड़ा गांव में एक महिला को तीन दिन तक कमरे में बंधक बनाकर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को मुक्त कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सुजानपुर अखाड़ा गांव निवासी रविता अपने परिवार के साथ रहती है। महिला का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे पिछले तीन दिनों से कमरे में बंद कर रखा था तथा उसके साथ लगातार मारपीट की जा रही थी। बताया गया कि मंगलवार को महिला ने किसी तरह अपनी बहन को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही उसकी बहन ने भोजपुर थाना पुलिस से शिकायत की। शिकायत प्राप्त होने के बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और महिला को बंधनमुक्त कराया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण, दो वार्ड बॉय का वेतन रोकने के निर्देश

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने मंगलवार को गोविंदपुरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। दोपहर के समय अचानक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने क्रमबद्ध तरीके से विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्ड बॉय अमित और केसर बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दोनों कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक बेहतर एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा अस्पताल के स्टोर का निरीक्षण कर उपलब्ध दवाओं की स्थिति की जानकारी ली गई तथा दवा रजिस्टर की भी जांच की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

फजलगढ़ के जंगल से किसानों की छह ट्यूबवेल मोटर चोरी, पुलिस जांच में जुटी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के फजलगढ़ गांव के जंगल में स्थित किसानों की ट्यूबवेलों से छह विद्युत मोटर चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसानों ने घटना की शिकायत पुलिस से कर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, फजलगढ़ गांव निवासी अंगेश चौधरी, हरेंद्र, चिंटू और वरुण सहित करीब आधा दर्जन किसानों की ट्यूबवेलें जंगल क्षेत्र में स्थित हैं। बताया जा रहा है कि अज्ञात बदमाश ट्यूबवेलों से विद्युत मोटर तथा बिजली से संबंधित अन्य सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी मिलने पर किसानों में रोष व्याप्त है। पीड़ित किसानों ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए चोरी गए सामान की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस भर्ती परीक्षा का डीएम एसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा के दूसरे दिन मंगलवार को जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनपद में 8, 9 और 10 जून को दो पालियों में आयोजित हो रही भर्ती परीक्षा के अंतर्गत जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कैराना स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज तथा विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कंट्रोल रूम, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और परीक्षा कक्षों का अवलोकन कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों एवं अधिकारियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी आलोक यादव ने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखने तथा परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा प्रत्येक गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जैन एकता महिला मंच ने स्थापना दिवस पर लगाया कढ़ी चावल का भंडारा

शामली (शिखर समाचार)। जैन एकता महिला मंच शामली द्वारा ज्येष्ठ मास के बड़े मंगल एवं संस्था के स्थापना दिवस के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कढ़ी-चावल के भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शहर के सिटी बिजली घर के निकट आयोजित किया गया, जहां श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक रूप से णमोकार मंत्र के पाठ के साथ हुआ। इसके पश्चात कन्याओं को भोजन कराकर भंडारे की शुरूआत की गई। संस्था की अध्यक्ष डॉ. रितु जैन ने बताया कि जैन एकता महिला मंच समाज सेवा और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से निरंतर जनहित के कार्य कर रहा है। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की मंत्री नीतू जैन, कोषाध्यक्ष रूबी जैन तथा सदस्य साक्षी जैन, मंजू जैन, निशा जैन, प्रियंका जैन, मेघा जैन, सोनम जैन, दीप्ति जैन और नेहा जैन का विशेष योगदान रहा। अंत में संस्था पदाधिकारियों ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

जनगणना कार्य पूर्ण करने वाले प्रागणकों का सम्मान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनगणना 2027 का कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रागणकों को प्राधिकरण की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण के एसीईओ एवं नोडल अधिकारी सुमित यादव तथा ओएसडी एवं चार्ज अधिकारी मुकेश कुमार सिंह ने प्रागणकों को सम्मानित कर उनके कार्य की सराहना की।

सम्मानित होने वाले प्रागणकों में प्रदीप राणा (सुपरवाइजर), हाकिम अली (एचएलबी-1564), प्रवीण कुमार (एचएलबी-1565), रूबी (एचएलबी-1560), इजरायल (एचएलबी-1561), कुसुमलता (एचएलबी-1777), सरोज (एचएलबी-1778) तथा वीना (एचएलबी-1779) शामिल रहे।

कार्यक्रम के दौरान ओएसडी रामनयन सिंह, ओएसडी अजय शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसीईओ एवं नोडल अधिकारी सुमित यादव ने सम्मानित प्रागणकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में लगे अन्य प्रागणक भी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े देश की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए इसे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया जाना चाहिए।

बिजनौर में स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा बैठक, गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने और बरसात से पहले नाला सफाई के निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वच्छ भारत मिशन प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के गांवों को चरणबद्ध तरीके से प्लास्टिक मुक्त बनाने तथा आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रभावी रोक लगाने के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के संग्रहण और उसके वैज्ञानिक निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले गांवों का सत्यापन कर उन्हें प्लास्टिक मुक्त ग्राम घोषित किया जाए तथा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएं। इसके अलावा गांवों के सार्वजनिक स्थलों पर प्लास्टिक के दुष्प्रभावों और उसके विकल्पों को दर्शाने वाले स्लोगन तथा भित्ति चित्र बनवाए जाएं, ताकि लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके।आगामी मानसून के मद्देनजर मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को तालाबों, नदियों, नालों तथा अन्य जल निकासी स्रोतों की समयबद्ध सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात से पहले सभी नालों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया जाए, जिससे जलभराव की समस्या न उत्पन्न हो और वर्षा के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे। बैठक में ओडीएफ प्लस मॉडल गांवों की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने चयनित ग्राम पंचायतों में स्वच्छता से संबंधित सभी मानकों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए, ताकि स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जा सके। बैठक में जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता सहित सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम अधिकारियों सहित नगर आयुक्त ने संभव में सुनी जनता की समस्याएं

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर संभव के तहत प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में सभी विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकांश समस्याएं निर्माण विभाग से प्राप्त हुए। निर्माण विभाग से 10, स्वास्थ्य विभाग से 1, उद्यान विभाग से 3, प्रकाश विभाग से 1, टैक्स विभाग से 1, जलकल विभाग से 2, संपत्ति विभाग से 2, अतिक्रमण संबंधित 2 समस्या प्राप्त हुई। संभव में प्राप्त 22 समस्याओं का समाधान करने के लिए नगर आयुक्त ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। नगर आयुक्त ने मौके पर उपस्थित समस्याओं पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश टीम को दिए। जलकल तथा निर्माण विभाग को विशेष रूप से प्राप्त समस्याओं पर तेजी से कार्य करने के लिए कहा गया। संभव में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, प्रकाश विभाग से शीशमणि यादव व अन्य टीम उपस्थित रही।

सीनियर सिटीजन एसोसिएशन ने बैंक प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन, बुजुर्गों के लिए अलग लाइन की मांग

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बैंकों में लंबी कतारों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे वरिष्ठ नागरिकों की परेशानियों को लेकर सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ने बैंक प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर बुजुर्गों के लिए अलग कतार और विशेष सहायता व्यवस्था की मांग की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने खतौली क्षेत्र के बैंक प्रबंधन से मुलाकात कर वरिष्ठ नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं के दौरान होने वाली असुविधाओं से अवगत कराया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि बैंकों में बुजुर्गों के लिए अलग लाइन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा उनकी सहायता के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती की जाए। एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबूराम शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में बुजुर्ग और पेंशनभोगी अपने विभिन्न बैंकिंग एवं वित्तीय कार्यों के लिए बैंकों में पहुंचते हैं। अधिक आयु, घुटनों के दर्द, शारीरिक कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण उनके लिए सामान्य ग्राहकों की तरह घंटों कतार में खड़ा रहना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा कि कई बार लंबे इंतजार के बावजूद शारीरिक असमर्थता के चलते वरिष्ठ नागरिक बिना काम कराए ही वापस लौटने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में उनके लिए अलग सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है। एसोसिएशन ने बैंक प्रबंधन से इस मानवीय और न्यायसंगत मांग पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वरिष्ठ नागरिक अपने अधिकारों के लिए आगे की रणनीति तैयार करेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष बाबूराम शर्मा, अशोक गुप्ता, बिजेंद्र सिंह, कामेश्वर लाल उजाला सहित बड़ी संख्या में नगर के वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनभोगी उपस्थित रहे।

संपादकीय

युद्धविराम की उम्मीद और पश्चिम एशिया की नाजुक शांति

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां युद्ध और शांति के बीच की दूरी बेहद कम दिखाई दे रही है। पिछले कुछ दिनों से ईरान और इसराइल के बीच बढ़ा सैन्य तनाव पूरी दुनिया की चिंता का कारण बना हुआ था। हवाई हमलों, मिसाइल हमलों और सैन्य चेतावनियों के बीच क्षेत्र में व्यापक युद्ध की आशंका लगातार बढ़ रही थी। ऐसे समय में ईरान के शीर्ष सैन्य कमांड के केंद्रीय मुख्यालय खतम अल अंबिया द्वारा यह घोषणा कि इसराइल के हालिया हमले समाप्त हो चुके हैं, निश्चित रूप से राहत देने वाली खबर है। हालांकि इसके साथ ही ईरान ने यह स्पष्ट चेतावनी भी दी है कि यदि इसराइल या दक्षिणी लेबनान के मोर्चे से उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रहती है तो उसका जवाब पहले से कहीं अधिक गंभीर और शक्तिशाली होगा। यह बयान बताता है कि भले ही फिलहाल हालात कुछ शांत दिखाई दे रहे हों, लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है।

इस घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सार्वजनिक रूप से कहा है कि ईरान और इसराइल तत्काल प्रभाव से युद्धविराम की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह आशंका भी व्यक्त की कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या गलतफहमी बातचीत की प्रक्रिया को बाधित कर सकती है। यह बयान केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि उस वास्तविकता की ओर संकेत करता है जिसमें आज का विश्व जी रहा है। आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कूटनीतिक संबंधों पर भी पड़ता है।

रविवार को बेरूत में इसराइली हवाई हमलों के बाद ईरान द्वारा सैन्य अभियान की घोषणा और उसके बाद दोनों देशों के बीच हुए जवाबी हवाई हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि स्थिति किसी भी समय नियंत्रण से बाहर जा सकती है। लेबनान, सीरिया, गाजा और लाल सागर क्षेत्र पहले ही अस्थिरता से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि ईरान और इसराइल के बीच प्रत्यक्ष युद्ध लंबा खिंचता तो इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहता। पूरे पश्चिम एशिया में संघर्ष की आग फैल सकती थी, जिसमें कई क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियां भी खिंच सकती थीं।

आज दुनिया जिस आर्थिक परिस्थिति से गुजर रही है, उसमें किसी भी बड़े युद्ध का प्रभाव आम नागरिक तक सीधे पहुंचता है। पश्चिम एशिया वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का केंद्र माना जाता है। यदि इस क्षेत्र में व्यापक सैन्य संघर्ष होता है तो ऊर्जा कीमतों में भारी उछाल आना स्वाभाविक है। इसका असर भारत सहित उन सभी देशों पर पड़ेगा जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर हैं। महंगाई बढ़ेगी, परिवहन लागत बढ़ेगी और आर्थिक विकास की गति प्रभावित होगी। इसलिए यह संघर्ष केवल दो देशों का मुद्दा नहीं बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह भी साबित किया है कि सैन्य शक्ति किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। इसराइल और ईरान दोनों क्षेत्रीय प्रभाव और सुरक्षा चिंताओं के आधार पर अपनी अपनी रणनीतियां बना रहे हैं, लेकिन लगातार बढ़ती सैन्य कार्रवाई केवल अविश्वास को और गहरा करती है। मिसाइलों और बमों से अस्थायी बढ़त तो हासिल की जा सकती है, लेकिन स्थायी शांति नहीं बनाई जा सकती। इतिहास गवाह है कि अंततः हर संघर्ष का समाधान वार्ता की मेज पर ही निकलता है।

संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल युद्धविराम की अपील करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि दोनों पक्षों के बीच विश्वास बहाली और दीर्घकालिक संवाद की प्रक्रिया को भी मजबूत करना चाहिए। क्षेत्रीय देशों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी क्योंकि किसी भी बड़े संघर्ष का पहला और सबसे अधिक नुकसान उसी क्षेत्र के नागरिकों को उठाना पड़ता है।

~ मौलिक चिंतन ~

असफलता के भय से जितना भयभीत रहेंगे, सफलता उतनी ही दूर होती चली जायेगी।

© विनय संकोची

भतीजे अभिषेक के मोह में ममता दीदी की पार्टी बिखर गयी

मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि अति सर्वत्र वर्जिते यानि इंसान का अपने ज्ञान और ताकत पर अधिक घमंड पतन का कारण बन जाता है ममता बनर्जी के साथ भी यही हुआ है दीदी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को वनमैन शो बतौर माना और अपने साथियों को फोलौवर समझा यही उनके खिलाफ असंतोष का कारण बन गया दीदी अपने पार्टी के कुनवे को ही संभाल कर नही रख सकी सत्ता से बाहर होते ही उनके खास सिपहसलार ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं दरअसल भतीजे अभिषेक बनर्जी का मोह और अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने की चाहत इस असंतोष के पीछे की खास वजह बन गई। आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।ताजा घटनाक्रम में तृणमूल कांग्रेस में एक बड़ा राजनीतिक संकट सामने आया है। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर दी है और एनडीए के साथ गठबंधन करने की इच्छा व्यक्त की है।इस विभाजन और दलबदल से जुड़ी जानकारी के अनुसार बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र भेजकर संसद में अलग बैठने और मान्यता देने की मांग की है। इस पूरे घटनाक्रम में टीएमसी सांसद काकुली घोष, सुवेंदु अधिकारी और अन्य नेताओं का नाम सामने आ रहा है। आपको पता रहे कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है। राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। आपको बता दें सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है। ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं। आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी। ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रिताव्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया।

नेत्रदानः अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

ललित गर्ग

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती।

नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है। सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है।

नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' तथा 'लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1' ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान 'साइट फर्स्ट' दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक कार्यक्रम माना जाता है। इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दृष्टि परीक्षण तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता प्रदान की गई है। 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' भी इसी भावना के साथ निरंतर समाज में यह संदेश प्रसारित कर रहा है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके हम किसी अंधेरी जिंदगी में स्थायी उजाला भर सकते हैं। यह सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और मानवता का जीवंत उदाहरण है।

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं, तो इससे बड़ा पुण्य, इससे बड़ी सेवा और इससे बड़ी मानवता की साधना शायद कोई नहीं हो सकती। आइए, हम संकल्प लें कि जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी हमारी आंखें किसी और के सपनों को देखने का माध्यम बनें। हमारा नेत्रदान किसी अंधेरी जिंदगी में सूर्योदय बनकर उभरे, यही ह्यविश्व नेत्रदान दिवसह्ल की सार्थकता है, यही सच्चा धर्म है और यही मानवता का उज्ज्वल भविष्य है।

विपक्ष की नई हुंकार ,आईएनडीआईए गठबंधन सरकार को घेरने की तैयारी में सफल होगा?

विनोद कुमार सिंह

बैठक के बाद घोषित पांच बिंदुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष आने वाले संसद सत्र और राजनीतिक अभियानों में किन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाला है। सबसे प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की रही। विपक्ष का आरोप है कि विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंताओं को बढ़ाया है। शिक्षा केवल एक मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य का प्रश्न है।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सत्ता और विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक व्यवस्था के दो मजबूत स्तंभ माने जाते हैं। सत्ता जहां नीतियों और योजनाओं के माध्यम से देश को दिशा देने का प्रयास करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा कर जनता की आवाज को बुलंद करने का दायित्व निभाता है।इसी परिप्रेक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित आई एन डी आई ए गठबंधन की हालिया बैठक राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बैठक में विपक्षी दलों ने न केवल अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया, बल्कि आने वाले समय के लिए एक साझा राजनीतिक एजेंडा भी तय किया।लोकसभा चुनाव2024 के बाद से आईएनडीआईए गठबंधन कई उतार-चढ़ावों से गुजरा है।कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि चुनाव के बाद गठबंधन की सक्रियता कम हो जाएगी, किंतु हालिया बैठक ने यह संदेश दिया है कि विपक्ष अभी भी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को लेकर गंभीर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने देश की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के बाद घोषित पांच बिंदुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष आने वाले संसद सत्र और राजनीतिक अभियानों में किन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाला है। सबसे प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की रही। विपक्ष का आरोप है कि विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंताओं को बढ़ाया है। शिक्षा केवल एक मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य का प्रश्न है। जब युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं, तब यह केवल एक प्रशासनिक चुनौती नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाती है।

बैठक में बेरोजगारी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यह युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है, किंतु

रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध न होने की शिकायत लगातार उठती रही है। सरकारी आंकड़े विकास की कहानी कहते हैं तो दूसरी ओर अनेक युवाओं की बेचैनी यह संकेत देती है कि रोजगार सृजन को लेकर अभी भी व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। विपक्ष ने इसी प्रश्न को अपने राजनीतिक अभियान का महत्वपूर्ण आधार बनाने का निर्णय लिया है।

महंगाई भी उन मुद्दों में शामिल रही जो आम नागरिक के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। रसोई गैस, खाद्य पदार्थों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विपक्ष का मानना है कि इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा और ठोस समाधान की आवश्यकता है। यही कारण है कि उसने केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है ताकि इन विषयों पर व्यापक सहमति और समाधान का रास्ता निकाला जा सके।

किसानों के प्रश्न भी बैठक के केंद्र में रहे। भारत की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र में तकनीकी प्रगति और सरकारी योजनाओं के बावजूद किसानों की आय, लागत और बाजार से जुड़े प्रश्न समय-समय पर सामने आते रहे हैं।विपक्ष ने किसानों की समस्याओं को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया है।

बैठक का एक महत्वपूर्ण पहलू चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर भी रहा। विपक्षी दलों ने चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता के प्रश्नों को उठाने का निर्णय लिया है। लोकतंत्र में चुनावों की विश्वसनीयता सर्वोच्च महत्व रखती है और यही कारण है कि इस विषय पर राजनीतिक दलों की संवेदनशीलता स्वाभाविक है।

राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह रहा किआईएनडीआईए गठबंधन अब नियमित अंतराल पर बैठकें करेगा। हर दो महीने में बैठक आयोजित करने और अगली बैठक हैदराबाद में 8 अगस्त को करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि विपक्ष अपनी गतिविधियों को संस्थागत स्वरूप देना चाहता है। यह केवल एक राजनीतिक बैठक नहीं, बल्कि विपक्षी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा भी है।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी गठबंधन की सफलता केवल बैठकों और प्रस्तावों से सुनिश्चित नहीं होती। जनता अंततः परिणामों, विश्वसनीयता और वैकल्पिक दृष्टिकोण को महत्व देती है। विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह केवल सरकार की आलोचना तक सीमित न रहे, बल्कि देश के सामने विकास, रोजगार, शिक्षा, कृषि और आर्थिक प्रगति का एक स्पष्ट वैकल्पिक खाका भी प्रस्तुत करे।

दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, अवसंरचना विकास अभूतपूर्व गति से हो रहा है और करोड़ों लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। ऐसे में आगामी महीनों में सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस और अधिक तीखी होने की संभावना है।

नई दिल्ली में हुई आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल विपक्षी दलों का जमावड़ा नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक संघर्षों की रूपरेखा भी है। शिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, किसान और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े प्रश्नों को केंद्र में रखकर विपक्ष ने अपनी दिशा तय कर दी है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या यह साझा एजेंडा जनता के बीच व्यापक समर्थन प्राप्त कर पाता है या नहीं।

लोकतंत्र में सशक्त सरकार जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक एक सक्रिय और उत्तरदायी विपक्ष भी है। आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसी लोकतांत्रिक परंपरा को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है, जिसके प्रभाव आने वाले महीनों में राष्ट्रीय राजनीति में स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

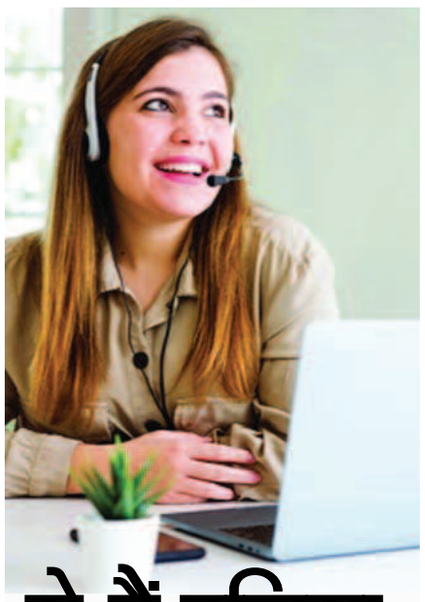

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं – आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय खत्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फ्रॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

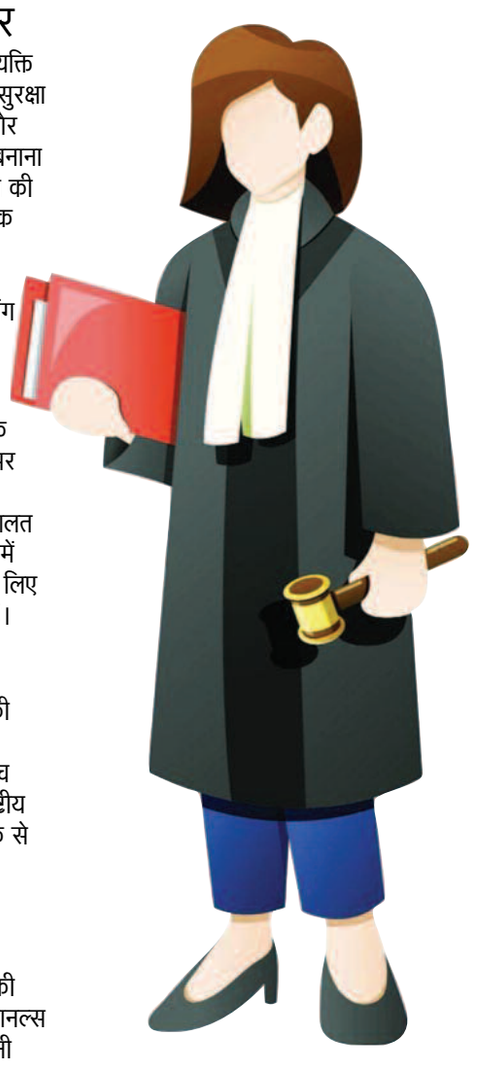

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस –

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्कआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

कोल इंडिया का 2.15 लाख कर्मचारियों को तोहफा, वीडीए 25 फीसदी बढ़ा

बढ़ी हुई दरें 1 जून से प्रभावी, जून के वेतन में होगी बढ़ोतरी

धनबाद ।

कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी कंपनियों ने अपने करीब 2.15 लाख वेज-बोर्ड कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। कंपनी ने वेरिएबल डियरनेस अलाउंस (वीडीए) की दर को बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया है, जिससे कर्मचारियों के जून महीने के वेतन में बढ़ोतरी होगी। कोल इंडिया मुख्यालय द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार यह बढ़ी हुई दर 1 जून 2026 से 31 अगस्त 2026 तक लागू रहेगी। वीडीए का यह पुनरीक्षण जनवरी से मार्च 2026 की तिमाही के औसत अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (एआईसीपीआई) के आधार पर किया गया है। आंकड़ों के मुताबिक इस तिमाही में एआईसीपीआई में 1958.52 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि 1 जुलाई 2021 को आधार एआईसीपीआई संख्या 7819 थी। इसी वृद्धि के आधार पर नई 25 फीसदी वीडीए दर निर्धारित की गई है। कोल इंडिया में वीडीए का पुनरीक्षण हर साल चार बार होता है, जो पिछली तिमाही के औसत एआईसीपीआई पर निर्भर करता है।

सरकारी तेल कंपनियों को आंशिक राहत, पर घाटा अभी भी ज्यादा

हालिया मूल्य वृद्धि से डीजल-पेट्रोल पर घाटा घटा, पर एलपीजी व दैनिक नुकसान अब भी चिंताजनक

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को हालिया ईंधन मूल्य वृद्धि से थोड़ी राहत मिली है, जिससे डीजल और पेट्रोल पर उनका घाटा कम हुआ है। हालांकि, वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और घरेलू उपभोक्ताओं को कम दरों पर ईंधन बेचने के कारण उन्हें अभी भी बड़े वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार पिछले एक महीने में ईंधन की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि के बाद, डीजल पर ओएमसी का नुकसान 105 रुपये से घटकर 30 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल पर 24 रुपये से घटकर 6 रुपये प्रति लीटर रह गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि यह कमी 1 अप्रैल की तुलना में उल्लेखनीय है। हालांकि चुनौतियां बरकरार हैं। तेल कंपनियां अभी भी 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलिंडर पर 700 रुपये का भारी नुकसान उठा रही हैं, जिससे उन्हें रोजाना लगभग 600-700 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान और पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के बावजूद, भारत की तेल एवं गैस कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को कम दरों पर ईंधन उपलब्ध कराने के कारण वित्तीय दबाव में हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए, 7 जून के बाद दूसरी बार, एलपीजी की कीमतों में 29 रुपये प्रति सिलिंडर का इजाफा किया गया है।

जैविक खाद की ओर किसानों का रुझान, बिक्री में 3.5 गुना उछाल

चालू खरीफ में 11.17 लाख टन जैविक खाद खरीदी गई

नई दिल्ली ।

चालू खरीफ सीजन में भारतीय किसानों का रुझान जैविक खेती की ओर बढ़ा है।

पिछले वर्ष की तुलना में जैविक खाद की खरीद में साढ़े तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। केंद्र सरकार ने रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता का भी आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार ने बताया कि चालू खरीफ सीजन में किसानों ने रिकॉर्ड 11.17 लाख टन जैविक खाद खरीदी है। यह पिछले साल की इसी अवधि के 3.2 लाख टन की तुलना में 3.5 गुना अधिक है, जो रासायनिक उर्वरकों के बजाय जैविक विकल्पों को अपनाने के किसानों के बढ़ते रुझान का स्पष्ट संकेत है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के एक अे धिकारी ने एक अंतर-मंत्रालयीय ब्रीफिंग में पुष्टि की कि देश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। वर्तमान में 197.56 लाख टन उर्वरक स्टॉक उपलब्ध है, जो खरीफ की कुल मांग का 51 फीसदी है। यह सामान्य 33 फीसदी के स्तर से काफी अधिक है, जिससे किसानों को समय पर उर्वरक मिलते रहेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार घरेलू उत्पादन और आयात पर लगातार नजर रख रही है। जून में ही 25 लाख टन से अधिक आयातित यूरिया, डीएपी और एनपीकेएस बंदरगाहों पर पहुंचे हैं, और 17 लाख टन यूरिया के लिए नई निविदा प्रक्रिया भी जारी है। उन्होंने जोर दिया कि किसानों को अपनी जरूरत के अनुसार उर्वरक मिलते रहेंगे।

एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर आधारित उधारी दर 0.10 फीसदी तक बढ़ाई

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) में 0.10 प्रतिशत तक बढ़ा दी है। नई दरें आठ जून 2026 से प्रभावी हो गई हैं। एमसीएलआर वह आधार दर होती है जिस पर बैंक अपने अधिकांश कर्जों की ब्याज दर तय करते हैं। इस फैसले का असर ग्राहकों के आवासीय ऋण, वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋण की मासिक किस्तों पर पड़ सकता है। बैंक ने कहा कि दो साल की अवधि वाले कर्ज पर सबसे अधिक 0.10 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की गई है। अब यह दर 8.45 प्रतिशत से बढ़कर 8.55 प्रतिशत हो गई है। वाहन, आवास एवं व्यक्तिगत ऋण जैसे अधिकांश उपभोक्ता ऋणों के लिए मानक माना जाने वाला एक-वर्षीय एमसीएलआर 0.05 प्रतिशत अंक बढ़कर 8.40 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 24 घंटे, तीन महीने, छह महीने और तीन साल की अवधि वाले कर्ज की दरों में भी 0.05 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की गई है।

एचडीएफसी बैंक का यह कदम ऐसे समय में आया है जब रिजर्व बैंक ने रेपो दर में लगातार दूसरी बार कोई बदलाव नहीं किया। रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 33 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.28 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपय 20 पैसे मजबूत होकर 95.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार इजराइल और ईरान के बीच तनाव में कमी के संकेतों के बाद बाजार धारणा में सुधार देखा गया, जिससे रुपये को समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.47 पर खुला और बाद में 95.41 तक पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में 20 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं सोमवार को रुपया 43 पैसे कमजोर होकर 95.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 99.98 पर आ गया।

जेप्टो 11,000 करोड़ के आईपीओ की तैयारी में, नहीं बेचेंगे हिस्सेदारी

कंपनी ने सेबी के पास मसौदा दस्तावेज दाखिल किया

नई दिल्ली ।

क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने करीब 11,000 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सोमवार को बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किया है।

खास बात यह है कि कंपनी अपनी कोई भी हिस्सेदारी इस निर्गम में नहीं बेचेंगे, जिससे कंपनी के प्रति उनका भरोसा झलकता है। आईपीओ में कंपनी 8,010 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाएगी। इसके अलावा शुरुआती निवेशक और उद्यम पूंजी कोष कुल करीब 11.35 करोड़ शेयरों की बिक्री खुली पेशकश (ओएफएस) के माध्यम से करेंगे। प्रवर्तक समूह के पास मौजूद 18.47 प्रतिशत हिस्सेदारी में से कोई भी हिस्सा बिक्री के लिए नहीं रखा जाएगा।

नैक्सस वेंचर्स सबसे बड़ा विक्रेता होगा, जो 8.77 करोड़ से अधिक शेयर बेचेगा। यह निर्गम जुलाई में आने की संभावना है। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में जेप्टो का राजस्व दोगुने से अधिक बढ़कर 22,623.58 करोड़ रुपये रहा, हालांकि इसी अवधि में शुद्ध घाटा बढ़कर 5,905.19 करोड़ रुपये हो गया।

अच्छी खबर यह है कि जनवरी-मार्च तिमाही में राजस्व 75 फीसदी बढ़कर 7,497.64 करोड़ रुपये हुआ और घाटा कम होकर 1,538.67 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 64 करोड़ ऑर्डर पूरे किए, जिसका दैनिक औसत 17 लाख से अधिक रहा। मार्च 2026 तक इसके वार्षिक उपयोगकर्ताओं की संख्या 4.79 करोड़ और स्टोरों की संख्या 1,139 हो गई।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 394, निफ्टी 119 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और इजराइल-ईरान के बीच तनाव में कमी होने की संभावना से आई है। इससे आज बाजार में रिकवरी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 394.50 अंकों की बढ़त के साथ ही 73,918.76 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 119.10 अंक उछलकर 23242.10 के स्तर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से अधिकतर शेयर तेजी के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआईएन और बजाज फाइनेंस के शेयरों में रही जबकि टाइटन , पावर ग्रिड, टेक महिन्द्रा और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। वहीं आज एनएसई पर मिडकैप ओर स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। 100 इंडेक्स करीब 1.40 फीसदी तक उछल गया। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी करीब 1.70 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ है।

आज ज्यादातर इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी पीएसयू बैंक में रही । इसके अलावा निफ्टी प्राइवेट बैंक और रियल्टी इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी ऑटो में करीब 1.35 फीसदी की तेजी दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी एफएमसीजी, मेटल, फार्मा, हेल्थकेयर इंडेक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयर ऊपर आये हैं जबकि निफ्टी आईटी और मीडिया इंडेक्स के शेयर गिरे हैं।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 350.57 अंक की बढ़त के साथ 73,874.83 अंक पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी शुरुआती कारोबार में 114.50 अंक उछलकर 23,237.50 अंक पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी गई। ब्रेंट क्रूड 1.15 फीसदी की गिरावट के साथ 93.17 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एशिया के अन्य बाजारों में भी सुधार देखने को मिला।

दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक बढ़त में रहे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग मामूली गिरावट में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए थे। आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 5,555.67 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

केरल में कई दवाओं पर प्रतिबंध, गुणवत्ता परीक्षण में फेल

घटिया गुणवत्ता वाली कई दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री पर रोक

तिरुवनंतपुरम ।

केरल औषधि नियंत्रण विभाग ने राज्य में कई दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री व वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। मई में किए गए गुणवत्ता परीक्षणों में ये उत्पाद निम्न गुणवत्ता वाले पाए गए थे। केरल औषधि नियंत्रण विभाग के एक अे धिकारी ने कहा कि प्रभावित उत्पाद निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहे, जिसके बाद जन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई है। प्रतिबंधित उत्पादों में उत्तराखंड स्थित यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्मित फोलिक एसिड टैबलेट और उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित यूनिक्योर इंडिया द्वारा निर्मित एस्पिरिन गैस्ट्रो-रेसिस्टेंट टैबलेट के दो-दो बैच शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अलाप्पुझा स्थित केरल स्टेट ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (केएसपीडी) द्वारा निर्मित डाइक्लोफेनाक सोडियम टैबलेट और टेल्मिसर्टन टैबलेट के कुछ बैचों में भी गुणवत्ता संबंधी खामियां पाई गईं। हिमाचल प्रदेश के सिप्ला लिमिटेड द्वारा निर्मित और डोम्पार नाम से बेची जाने वाली पैरासिटामोल और डोम्पेरिडोन टैबलेट को भी घटिया गुणवत्ता का घोषित किया गया है। विभाग ने व्यापारियों, वितरकों, फार्मेसियों और अस्पतालों को

निर्देश दिया है कि वे चिन्हित बैचों का स्टॉक तुरंत अपने आपूर्तिकर्ताओं को लौटाएं और संबंधित जिला औषधि नियंत्रण प्राधिकरणों को सूचित करें।

चीन का निर्यात 19.4 प्रतिशत उछला

हांगकांग ।

चीन ने मई महीने में अपने निर्यात में असाधारण वृद्धि दर्ज की है। मंगलवार को जारी सीमा-शुल्क एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, देश का निर्यात सालाना आधार पर 19.4 प्रतिशत बढ़ा, जो अप्रैल के 14.1 प्रतिशत की वृद्धि से काफी अधिक है। इस उछाल का मुख्य श्रेय प्रौद्योगिकी उत्पादों की मजबूत वैश्विक मांग और एआई व हरित प्रौद्योगिकियों के बढ़ते रुझान को दिया जा रहा है। आयात के मोर्चे पर भी चीन ने तेजी देखी, जहां अप्रैल के 25.3 प्रतिशत की तुलना में मई में यह 27.4 प्रतिशत बढ़ा। अमेरिका को होने वाले निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो अप्रैल के 11 प्रतिशत से बढ़कर मई में 35 प्रतिशत से अधिक हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वाहन, सेमीकंडक्टर और कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े उत्पादों की मजबूत मांग ने चीन के निर्यात को बढ़ावा दिया है। डच बैंक आईएनजी के मुख्य अर्थशास्त्री लिन सॉन्ग ने पुष्टि की कि जहाज, सेमीकंडक्टर चिप्स, वाहन और बैटरियों की बढ़ती वैश्विक मांग ने व्यापार मूल्य वृद्धि को मजबूत समर्थन दिया है।

फिच ने भारत की विकास दर घटाकर 6.4 फीसदी की

अमेरिका-ईरान संघर्ष व तेल संकट मुख्य वजह, महंगाई बढ़ने और रेपो रेट में बढ़ोतरी की आशंका

नई दिल्ली ।

फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। यह कटौती अमेरिका-ईरान संघर्ष और इससे जुड़े वैश्विक तेल संकट के गहरे होते प्रभावों के कारण की गई है। रेटिंग एजेंसी ने उच्च मुद्रास्फीति और उपभोक्ता खर्च पर संभावित दबाव की भी चेतावनी दी है। अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में फिच ने कहा कि ब्रेंट क्रूड का अनुमान 70 डॉलर से बढ़कर 87 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य भी जुलाई तक बंद रह सकता है। फिच ने वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि दर धीमी रहने की आशंका जताई है, हालांकि घरेलू मांग और निवेश से कुछ समर्थन मिलेगा। उच्च मुद्रास्फीति और ऊर्जा लागत वास्तविक आय पर दबाव डालेगी, जिससे उपभोक्ता खर्च प्रभावित होगा, खासकर 2026-27 की दूसरी और तीसरी तिमाही में। अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति 8.3 फीसदी और

खुदरा 3.5 फीसदी रही, जो साल के अंत तक 5.3 फीसदी तक जा सकती है।

बढ़ते महंगाई दबाव के कारण, आरबीआई इस साल रेपो दर को 5.25 फीसदी से बढ़ाकर 5.5 फीसदी कर सकता है। रुपये में बड़ी गिरावट की संभावना सीमित है, औसत 97.50 प्रति डॉलर रह सकता है।

ओपनएआई ने एसईसी को सौंपे गोपनीय दस्तावेज

एआई क्षेत्र में बढ़ रही लिस्टिंग की होड़, ओपनएआई के कदम से बाजार में हलचल

सैन फ्रांसिस्को।

कृत्रिम मेधा (एआई) मंच चैटजीपीटी का संचालन करने वाली कंपनी ओपनएआई ने अमेरिकी बाजार नियामक एसईसी के पास गोपनीय प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। इस कदम से कंपनी के सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का रास्ता खुल गया है, जो एआई क्षेत्र में बढ़ती आईपीओ की होड़ का संकेत देता है। कंपनी ने बताया कि उसने एसईसी के पास गोपनीय कागजात दाखिल किए हैं, हालांकि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के समय पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। ओपनएआई ने लीक की आशंका के चलते खुद ही यह घोषणा की। कंपनी ने कहा कि निजी तौर पर कुछ काम करना आसान होता है, लेकिन यह कदम जरूरत पड़ने पर जल्द सार्वजनिक होने का विकल्प देता है। यह कदम ऐसे समय आया है जब एंथ्रोपिक और एलन मस्क की स्पेसएक्स जैसी अन्य एआई कंपनियां भी लिस्टिंग की ओर बढ़ रही हैं। सीईओ सैम ऑल्टमैन पहले ही एआई विकास हेतु भारी पूंजी के लिए आईपीओ को 'सबसे संभावित रास्ता' बता चुके हैं।

2015 में गैर-लाभकारी संस्था के रूप में शुरू हुई ओपनएआई अब 852 अरब डॉलर की कंपनी बन चुकी है। कंपनी का लक्ष्य स्वचालित एआई शोधकर्ता और व्यक्तिगत एजीआई (कृत्रिम सामान्य मेधा) विकसित करना है।

की बढ़ी कीमतें बनीं ईवी की रफ्तार, मई में बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर

मई में ईवी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 11 फीसदी हुई

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संकट के कारण पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री को अभूतपूर्व बढ़ावा दिया है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के अनुसार, मई में ईवी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 11 फीसदी के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7 फीसदी थी। ईंधन की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद यह रुझान देखा गया। फाडा के एक अे धिकारी ने बताया कि दोपहिया वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी 6.11 फीसदी से 9.25 फीसदी, तिपहिया में 61.46 से 64.45 फीसदी, यात्री वाहनों में 4.51 से 6.63 फीसदी और वाणिज्यिक वाहनों में 1.37 से 2.86 फीसदी हो गई। मई में कुल वाहन खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर 25.3 लाख इकाई रही, जो मजबूत ग्रामीण मांग से प्रेरित थी। यात्री वाहनों की बिक्री 23 फीसदी, ट्रैक्टरों की 11 फीसदी और दोपहिया वाहनों की 8 फीसदी बढ़ी। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसे प्रमुख निर्माताओं ने भी दमदार वृद्धि दर्ज की।

वैकल्पिक ईंधन (सीएनजी और ईवी सहित) की कुल हिस्सेदारी 38 फीसदी रही। हालांकि, भीषण गर्मी और कुछ मॉडलों की आपूर्ति कमी ने बिक्री की रफ्तार को कुछ हद तक प्रभावित किया।

एनएलसी इंडिया ओएफएस शुरू

गैर-खुदरा निवेशकों की शुरुआती प्रतिक्रिया सुस्त

नई दिल्ली ।

सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी एनएलसी इंडिया में केंद्र सरकार की तीन प्रतिशत तक हिस्सेदारी बिक्री के लिए मंगलवार को खुली पेशकश (ओएफएस) शुरू हो गई। पहले दिन गैर-खुदरा निवेशकों की तरफ से इसे उम्मीद से कम प्रतिक्रिया मिली। आंकड़ों के अनुसार गैर-खुदरा निवेशकों ने अपने लिए आरक्षित 2.49 करोड़ शेयरों में से केवल 1.09 लाख से अधिक शेयरों (0.44 प्रतिशत) के लिए बोली लगाई। यह बोली 304.92 रुपये प्रति शेयर के सांकेतिक मूल्य पर लगी। सरकार एनएलसी इंडिया में अधिकतम तीन प्रतिशत या लगभग 4.16 करोड़ शेयर बेच रही है, जिसका आधार मूल्य 303 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को करीब 1,200 करोड़ रुपये मिलने का

अनुमान है। यह पेशकश दो प्रतिशत के आधार और अतिरिक्त एक प्रतिशत के ग्रीन शू विकल्प के साथ है। खुदरा निवेशकों के लिए यह निर्गम 10 जून को खुलेगा। वर्तमान में एनएलसी इंडिया में सरकार की 72.20 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

दांबुला (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिय। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन साहन अराचिगे ने बनाये। । 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया। . उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले ऋतुराज के शानदार शतक से भारत ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 बनाये हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रियांश ने 32 गेंदों पर 32 रन बनाये। प्रियांश के आउट होने के बाद ऋतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 150 रन बनाये। ऋतुराज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 101 रन बनाये। कप्तान

तिलक वर्मा ने भी 97 गेंदों पर 60 बनाये। आयुष बडोनी ने 24 और सुर्यांश शेड्गे ने 26 रन बनाए। इस प्रकार भारत ए टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए।

वहीं श्रीलंका ए की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट जबकि चमिका करुणारत्ने, गारुका संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।

आयरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सिराज को आराम, कृष्णा शामिल

पेरिस (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया है। टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ बातचीत के बाद सिराज को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देते हुए ये फैसला किया है। इस फैसले से पता चलता है कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर पूरी सतर्कता रखता है।

इसी कारण बोर्ड की मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के बीच गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सिराज को एक लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले पूरी तरह से तरोताजा होने का मौका दिया जाए। यह कदम उन्हें भविष्य में होने वाली एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट बनाये रखने की रणनीति का हिस्सा है। सिराज हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपनी तेज गेंदबाजी से अहम योगदान दिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवीसय सीरीज के लिए उन्हें आराम दिया गया था, जो उनके कार्यभार को प्रबंधित करने की दिशा में एक और कदम था। अपने छोटे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में सिराज ने अब तक 17 मैचों में 17 विकेट हासिल किए हैं।

सिराज की अनुपस्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। कृष्णा ने अपने पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 विकेट लिएहैं, जो उनकी विकेट लेने की क्षमता को दिखाता है। इसके अलवा आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के लिए भी उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम अपने दौरे में आयरलैंड में दो टी20 जबकि इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 सीरीज खिलेगी।

टीम इस प्रकार है

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

महिला टी20 विश्व कप के प्रबल दावेदारों में न्यूजीलैंड सहित ये चार टीमें

-ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है सबसे अधिक बार खिताब

लंदन (एजेंसी)। 12 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम

रुप देने में लगी हैं। इसको लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। इस बार खिताब की बड़ी दावेदारों में मौजूद चैम्पियन न्यूजीलैंड सहित कुल चार टीमें ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और भारत भी है। न्यूजीलैंड टीम का लक्ष्य अपने खिताब को बनाये रखना रहेगा। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड भी इस बार खिताब अपने नाम करने उतरेंगी। पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला टी20 विश्व कप में सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती है। उसने सबसे अधिक सात बार इस टूर्नामेंट का फाइनल अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया केवल एक बार, साल 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए फाइनल में हारी है। इसलिएइस बार भी कंगारुओं को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बाद, इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में सबसे अधिक चार बार फाइनल तक पहुंची है, हालांकि वह केवल एक बार, 2009 में जीत दर्ज करने में सफल रही है। वहीं साल 2012, 2014 और 2018 के फाइनलों में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है। कीवी टीम ने साल 2009 और साल 2010 में फाइनल खेला है पर उसे दोनों बार इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं साल 2024 में न्यूजीलैंड ने पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। पिछले कुछ समय में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी प्रभावित किया है। है। पिछले दो महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका ने जगह बनाई है, लेकिन दोनों ही बार वे चैंपियन बनने से रह गईं। साल 2023 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने और 2024 में न्यूजीलैंड ने हराया था। वहीं भारतीय टीम का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। भारतीय टीम साल 2020 विश्व कप में फाइनल में पहुंची थी पर उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करन पड़ा था। इस बार भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा।

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान: स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है।

वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ

ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है। फिलहाल, वैभव खाने-पीने में कोई खास परहेज नहीं करते और जो उन्हें पसंद आता है, उसे खाते हैं। उनका यह बेपरवाह अंदाज आज के युवा खिलाड़ियों के सख्त डाइट रूटीन से काफी अलग है।

यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि आईपीएल 2026 के दौरान जब वैभव से उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि वह धीरे-धीरे अपने डाइट प्लान में बदलाव करेंगे। उनका मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अपनी फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। हालांकि, वैभव दिखने में भले ही थोड़े भारी लगते हों, लेकिन मैदान पर जब उनका बल्ला बोलता है, तो पता चलता है कि वह पूरी तरफ से फिट हैं। यही कारण है कि कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने उन्हें अपने खान-पान में तत्काल कोई बड़ा बदलाव न करने की सलाह भी दी है, ताकि उनके स्वाभाविक खेल पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। वैभव अपने खेल और खाने के बीच एक ऐसा संतुलन बनाए हुए हैं, जो उन्हें एक विशिष्ट पहचान देता है और भविष्य में जब वह अपनी फिटनेस पर और काम करेंगे, तो निश्चित रूप से और भी खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

रोहित और हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए फिट हो जायेंगे : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट होने के करीब हैं। ऐसे में ये दोनो अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। कोटक ने कहा कि उन्हें दोनों खिलाड़ियों की मेडिकल रिपोर्ट की पूरी जानकारी नहीं पर जो जानकारी मिली है। उससे साफ है कि इन दोनो की फिटनेस पहले से ठीक हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों खिलाड़ी शीघ्र ही पूरी फिटनेस हासिल कर लेंगे। कोटक के इस बयान से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों भी भी राहत है क्योंकि सभी को उम्मीद है कि रोहित इस सीरीज ही नहीं साल 2027 विश्व कप में भी खेलेंगे। रोहित आईपीएल के 19 वें सत्र के दौरान ही हैमस्ट्रिंग के दर्द से परेशान थे। इसी कारण कारण वह कुछ महत्वपूर्ण मुकाबलों से बाहर थे। वहीं ऑलराउंडर पांड्या भी पीठ में जकड़न के कारण तीन मैचों से बाहर रहे थे। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ी अपनी चोटों से उबरते हुए सत्र के अंतिम चरण में अपनी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिए मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रोहित और हार्दिक की फिटनेस को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसका कारण है कि अभी तक इन दोनो को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी से फिटनेस मंजूरी नहीं मिली है पर सोशल मीडिया पर इनकी ट्रेनिंग की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें और चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह का माहौल है।

डेब्यू टेस्ट में छाए मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया स्पिन सितारा

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को युवा स्पिनर मानव सुथार के रुप में एक नया स्पिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहेली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खर्च करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार स्पिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही मानव सुथार ने भारत के

लिए टेस्ट डेब्यू पर तीसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह इस विशिष्ट सूची में केवल महान स्पिनर नरेंद्र हिरवानी से पीछे हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 8-8 विकेट लेकर कुल 16 विकेट चटकाए थे। सुथार का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा गया है और उन्हें भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संभावना के रूप में स्थापित करता है।

अपने इस यादगार प्रदर्शन के बाद मानव सुथार ने मैच के दौरान अपनी घबराहट पर काबू पाने और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को लाचार करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, जब मैं पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा, तो मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। कुछ गेंदे खेलने के बाद ही मुझे यह समझ आ गया था कि इस विकेट पर स्पिनरों के लिए थोड़ी मदद मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद जब मैं गेंदबाजी करने आया और अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे वही अहसास हुआ। उसके बाद मेरा पूरा ध्यान केवल सही लाइन, लेंथ और अपनी गति पर नियंत्रण रखने पर था, ताकि मैं लगातार दबाव बना सकूं और विकेट ले सकूं। उनका यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। मानव सुथार के इस चमकदार डेब्यू ने भारतीय चयनकर्ताओं और प्रशंसकों दोनों को एक नई उम्मीद दी है, जिससे आने वाले समय में उन्हें बड़े मंच पर और अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

ईरान के फुटबॉल महासंघ का दावा, अमेरिका में होने वाले मुकाबलों के लिए प्रशंसकों के टिकट रद्द

तिजुआना (मैक्सिको) । ईरान के फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को दावा किया कि फीफा ने अमेरिका में होने वाले देश के तीन विश्व कप मुकाबलों के लिए ईरानी प्रशंसकों को मिलने वाले टिकट रद्द कर दिए हैं। विश्व कप में हिस्सा लेने वाली 48 टीम में से हर महासंघ को स्टेडियम की क्षमता के आठ प्रतिशत टिकट मिलते हैं और उसके पास उन्हें बांटने का अधिकार होता है, यानी हर मैच के लिए कई हजार टिकट। ईरान को विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को लॉस एंजिलिस रैम्स के स्टेडियम इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ करनी है और इससे कुछ दिन पहले महासंघ ने एक बयान में कहा कि वह अपने समर्थकों को कोई भी टिकट नहीं दे पाएगा। इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए फीफा से संपर्क किया गया था। इस दावे से ईरानी फुटबॉल, फीफा और टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका के बीच चल रही उथल-पुथल और बढ़ गई है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए थे। ईरान की टीम युद्ध पूर्व के कार्यक्रम के तहत एरिजोना के टक्सन की जगह मैक्सिको की सीमा पर बसे शहर तिजुआना में ट्रेनिंग कर रही है। महासंघ के कुछ अधिकारियों को भी अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला है जहां ईरान 21 जून को इंगलवुड में बेल्जियम और फिर 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ भी खेलेगा। पिछले साल से ही अमेरिकी सरकार ने ईरान के निवासियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और उन्हें विश्व कप के लिए प्रवेश वीजा मिलने की संभावना कम थी।

महिला टी20 विश्व कप : क्या भारत लगातार दूसरा खिताब जीत पाएगा?, 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं

बेंगलुरु (एजेंसी)। क्या भारत ऐतिहासिक 'डबल' (दो बड़े खिताब एक साथ जीतना) पूरा कर पाएगा? क्या ऑस्ट्रेलिया अपनी खोई हुई जगह वापस पा सकेगा? क्या हमेशा अंतिम पड़ाव पर चूकने वाला दक्षिण अफ्रीका इस बार सुर्खियां बटोरेगा? या कोई कमजोर मानी जाने वाली टीम रोमांचक जीत हासिल करेगी? इंग्लैंड में 12 जून से शुरू हो रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं हैं। आइए दावेदारों और उनकी चुनौतियों पर नजर डालते हैं-

भारत

पिछले साल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप जीतने के बाद भारत टी20 प्रारूप में जीत दर्ज करके शानदार 'डबल' पूरा करने के लिए उत्सुक होगा। ऐसा कमाल सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही कर पाया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम में ऐसा करने की क्षमता है जैसा कि पिछले छह महीने में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उनकी जीत से साबित हुआ है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका (4-1) और इंग्लैंड (2-1) के खिलाफ उनकी सरजमीं पर भारत को हार झेलनी पड़ी।

टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की कमी भी खलेगी जो इंग्लैंड की परिस्थितियों में अहम भूमिका निभा सकती थीं। भारतीय टीम को उम्मीद होगी कि बल्लेबाज शुरू से ही लय पकड़ लेंगी और रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शानदार स्पेल डाल पाएंगी। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों ने 'द हंड्रेड' और 'किया सुपर लीग' में खेला है और वह अनुभव काम आएगा।

ऑस्ट्रेलिया

छह बार की चैंपियन टीम को एलिसा हीली के संन्यास के बाद सोफी मोलिन्यु के रूप में नई कप्तान मिली है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की असली ताकत उनकी जानी-पहचानी और भरोसेमंद कोर टीम है जिसमें एलिस पेरी, ताहलिया मैकग्रा, एशले गार्डनर, मेगन शूट, एलेना किंग और बेथ मूनी शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन के आने से टीम और मजबूत हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2017 के बाद पहली बार बिना किसी ट्रॉफी के आईसीसी प्रतियोगिता में उतर रही है और वे निश्चित रूप से इस स्थिति को बदलना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड

मौजूदा चैंपियन ऐसी टीम के साथ आ रहे हैं

जिसमें अनुभव और युवा जोश का सही मिश्रण है और उन्हें हराना आसान नहीं होगा। न्यूजीलैंड की उम्मीदें मुख्य रूप से सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू पर टिकी होंगी। टीम इस तिकड़ी के लिए खिताब जीतना चाहती है क्योंकि वे इस टूर्नामेंट के बाद इस प्रारूप से अलग हो जाएंगी। टीम को ऑलराउंडर अमेलिया केर से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि हाल ही में बल्ले से उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वह 2024 में फाइनल और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थीं। पिछले दो वर्षों में उनकी साख और कौशल में और निखार आया है।

इंग्लैंड

मेजबान टीम नियमित कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट की फिटनेस पर नजर रखेगी जो भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में नहीं खेल पाई थीं। उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट के लिए फिट हो जाएंगी। लेकिन चार्ली डीन की कप्तानी में इंग्लैंड ने उस श्रृंखला में साबित कर दिया कि वे स्काइवर ब्रंट के बिना भी जीत सकते हैं। टीम ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की थी। टीम के पास एलिस कैपसी, सोफी एक्लेस्टोन, लिंडसे स्मिथ, फ्रेया केम्प और अनुभवी खिलाड़ी हीथर नाइट और डैनी वाट-हॉज जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं।

दक्षिण अफ्रीका

अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल को टीम में शामिल किया है लेकिन उनकी असली ताकत नेदिन डि क्लर्क, सुने लूस, क्लो ट्रायोन और डेन वान नीकर्क जैसी खिलाड़ी हैं जो खेल के किसी भी चरण में शानदार प्रदर्शन कर सकती हैं। शांत स्वभाव वाली लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाले दक्षिण अफ्रीका के पास मारिजेन कैप, अयाबोंगा खाका और एनेरी डर्कसेन के रूप में एक काबिल गेंदबाजी इकाई है। टीम को भारत और ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप में जगह मिली है इसलिए सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें हर समय सतर्क रहना होगा।

छुपा रुस्तम :श्रीलंका

विश्व कप से पहले श्रीलंका की टीम शानदार फॉर्म में है। टीम ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ उनके घर पर पांच मैच जीते हैं। श्रीलंका की सबसे बड़ी स्टार कप्तान चामरी अटापट्टू हैं जिन्हें टूर्नामेंट में बल्ले से अहम भूमिका निभानी होगी। टीम हालांकि पिछले कुछ वर्षों में अपनी इस स्टार खिलाड़ी पर निर्भरता कम करने में कामयाब रही है।

श्रीलंका ने हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका सिल्वा और कविशा दिलहारी जैसी प्रतिभावान खिलाड़ियों को तैयार किया है। हालांकि टीम के पास भरोसेमंद तेज गेंदबाजी आक्रमण नहीं है इसलिए स्पिनरों से उम्मीद की जाएगी कि वे विरोधी टीम पर लगाम कसें। इंग्लैंड में धीमे गेंदबाज कितना असर डाल पाएंगे यह बहस का विषय है। टूर्नामेंट में यह टीम की कमजोरी साबित हो सकती है।

पाक क्रिकेटर खुशदिल शाह का विवादास्पद आरोप : भारत के पक्ष में जाते हैं अधिकांश अंपायरिंग फैसले

लाहौर । शाहिद अफरीदी सहित कई पाकिस्तानी क्रिकेटर हमेशा ही भारत के खिलाफ विवादास्पद बयान देते रहते है। अब इनमें ऑलराउंडर खुशदिल शाह भी शामिल हो गये हैं। जाने खुशदिल ने अब कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बड़े मुकाबलों में अंपायरिंग को लेकर अधिकतर फैसले भारत के पक्ष में जाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। ऐसे में खुशदिल के इस प्रकार के आरोप माहौल को और गर्मा सकते हैं। खुशदिल शाह ने सिर्फ अंपायरिंग पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि उन्होंने मैचों के आयोजन स्थल के चयन पर भी अपनी आपत्ति जताई है। शाह के अनुसार, अक्सर मैच स्थल भी भारत की पसंद के हिसाब से तय किए जाते हैं, जिससे उन्हें खेल में लाभ मिलता है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से भारत के खिलाफ इस तरह के आलोचनात्मक बयान नये नहीं हैं और पहले भी कई क्रिकेटर भारत के खिलाफ बयानबाजी करते आये हैं। एक कार्यक्रम में जब इस क्रिकेटर से भार-पाक मुकाबलों को लेकर पूछा गया तो उसने कहा, मैच में दबाव तो ज्यादा नहीं होता परन्तु इस मैच से भावनाएं बहुत गहराई से जुड़ी होती हैं। दूसरी बात यह है कि मैच में जो चीजें होती हैं, वे अक्सर टीम इंडिया के पक्ष में जाती हैं। जैसे कभी-कभी अंपायर का फैसला उनके पक्ष में चला जाता है, और ड्रेसिंग रूम के कुछ फैसले होते हैं वे भी भारत के पक्ष में होते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि मैच भी उनकी मर्जी से आयोजित होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेंगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 3913

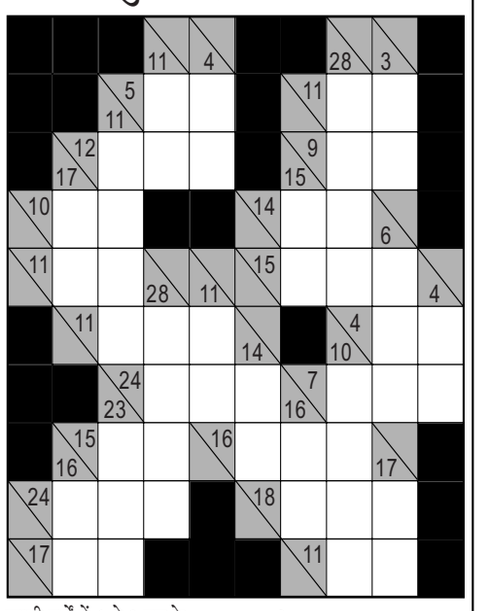

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

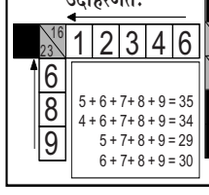

काकुरो - 3912 का हल

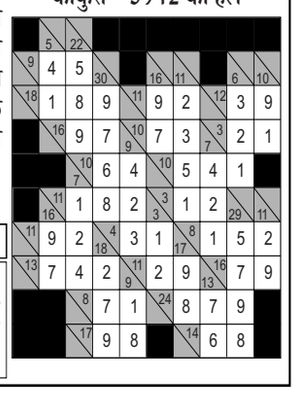

हंसी के फूव्वारें

एक साहब अपने दोस्त से कहने लगे- ''मेरी घरवाली बहुत झुठी है. वह कल दो घण्टे घर से गायब रही और वापसी पर मुझे बताया कि वह अपनी सहेली गीता के साथ फिल्म देखने गई थी !''

''मगर तुम्हें इस बात का पता कैसे चला कि वह झूठ बोल रही है.''

''उस समय मैं गीता के साथ फिल्म देख रहा था.'' साहब ने जवाब दिया.

इस पर दोस्त खामोश हो गया.

□ □ □

एक महिला एक निमन्त्रण में गई.

वहां उसने हर व्यक्ति को अपनी उम्र अलग-अलग बताई.किसी को बीस, किसी को पच्चीस तो किसी को तीस. यह देख उसकी एकमात्र बेटी उसे खींचकर कोने में ले गई और बोली-''मम्मी ! तुम किसी को कुछ भी आयु बताओ ! मगर इतना ध्यान अवश्य रखना कि मेरी और तुम्हारी उम्र में कम-से-कम नौ महीने का अन्तर रहे.''

□ □ □

एक आदमी ने जज से अपनी घरवाली को तलाक देने का कारण बताते हुए कहा- ''मेरी घरवाली ने शादी के बाद से अब तक केवल एक बेटी को जन्म दिया है. मगर मेरी प्रबल इच्छा है कि मैं एक बेटे का बाप बनूं.''

इस पर पत्नी तमककर बोली-''जज साहब ! अगर मैं इनके भरोसे रहती तो यह बेटी भी नहीं होती !''

फिल्म वर्ग पहेली- 3913

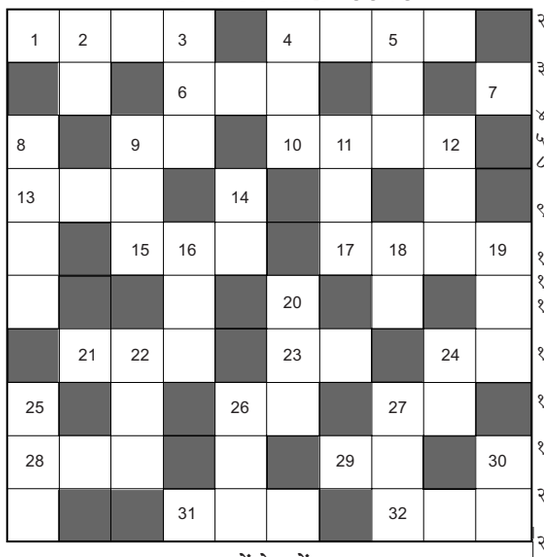

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे ख्यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3912

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		र्ड		यॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रे		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जीं		ग		र		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

सूडोकु -3913

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3912 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 3913

बाएँ से दाएँ
1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3912 का हल

अ	लि	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	रा		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		ध		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

कभी न करें इन वस्तुओं का दान... फायदे की जगह हो सकता है नुकसान, रूठ जाएंगे देवता

उज्जैन. हिंदू धर्म में दान करना बहुत पुण्यदायी कार्य माना गया है. दान-पुण्य करने से ना सिर्फ ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता है बल्कि घर में सुख-शांति और बरकत भी आती है. गरीबों, जरूरतमंदों या फिर धार्मिक स्थलों पर दान देना बहुत ही पुण्य का काम माना गया है.लेकिन हिंदू धर्म ग्रंथों में कुछ ऐसी चीजों का वर्णन किया गया है, जिन्हें भूल से भी दान के रूप में नहीं देना चाहिए. आइए जानते हैं उज्जैन के पंडित आनंद भारद्वाज से की वह कौन-सी चीजें हैं.

भूल से भी नहीं करना चाहिए इन चीजों का दान

- वास्तु शास्त्र के अनुसार झाड़ू अलक्ष्मी को दूर करने वाला है.देवी लक्ष्मी को घर में लाने वाला है. धन समृद्धि के लिए झाड़ू को ऐसी जगह पर रखना चाहिए.यहां आने-जाने वाले की नजर ना जाए. जहां तक दान की बात है तो दान स्वरूप कभी भी किसी को झाड़ू का दान नहीं देना चाहिए. ऐसी लोक मान्यता है कि इससे बरकत चली जाती यानी लक्ष्मी रूठ जाती हैं.
- वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी नुकीली चीजों जैसे चाकू, छुरी, सुई या कैंची जैसी चीजों का दान नहीं करना चाहिए.धार्मिक दृष्टि से ऐसा करना बिलकुल भी शुभ नहीं माना जाता.मान्यताओं के अनुसार, इससे गृह क्लेश की स्थिति बनने लगती है.
- वास्तु शास्त्र के अनुसार भूखे को भोजन दान देना उत्तम माना गया है. धर्मग्रंथों में कहा गया है कि अन्न दान से बड़ा कोई दान नहीं है. इससे देवता अति प्रसन्न होते हैं. लेकिन कुछ लोग भूखे लोगों के सामने दान स्वरूप बासी और अरुचिकर भोजन रख देते हैं। ऐसा दान करना पुण्य नहीं पाप को बढ़ता है.ऐसे लोगों के घर देवी लक्ष्मी अधिक समय तक नहीं रहती हैं क्योंकि यह भूखे व्यक्ति और देवी अन्नपूर्णा का भी अपमान मान गया है.
- वास्तु शास्त्र के अनुसार शनि महाराज को तेल चढ़ाने से वह प्रसन्न होते है.शनि देव को तिल या सरसों के तेल का दान करने से शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है.लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि दान में कभी भी इस्तेमाल हुआ तेल या फिर खराब हो चुका तेल नहीं देना चाहिए. इससे शनिदेव रुष्ट हो सकते हैं, जिससे जीवन में परेशानियां बढ़ सकती हैं.
- वास्तु शास्त्र के अनुसार, दान में घर में रखे हुए स्टील के बर्तनों को देने से बचना चाहिए. मान्यता है कि ऐसा करने से धन हानि होती है. स्टील के बर्तन दान करने से घर की शांति पर भी प्रतिकूल असर होता है.

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

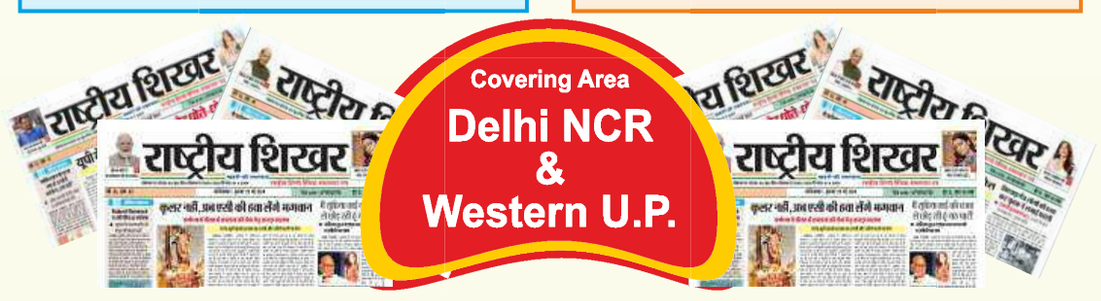

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है

अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है।

अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा।'

उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं। अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी। उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।' अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले हैं, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।

समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटफ्लिक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है। माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।' अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है। माधुरी ने बताया, 'इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।' 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है। अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुष्मा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

विशाल जेठवा ने 'शक्ति शालिनी' के लिए बदला लुक, बढ़ाया वजन

विशाल जेठवा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'शक्ति शालिनी' के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। फिल्म में अपने किरदार की जरूरत के मुताबिक वह पिछले कई महीनों से सख्त वर्कआउट, नियंत्रित डाइट और अनुशासित लाइफस्टाइल फॉलो कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विशाल इस भूमिका के लिए खास - तौर पर मसल्स बढ़ाने और खुद को बल्क-अप करने में जुटे हैं। विशाल ने अपनी फिटनेस जर्नी पर बात करते हुए कहा... 'पीक फिटनेस हासिल करना कभी आसान नहीं होता। लोग सिर्फ शारीरिक बदलाव देखते हैं, लेकिन इसके पीछे भावनात्मक और मानसिक अनुशासन भी उतना ही जरूरी होता है। मैं 'नो पेन, नो गेन' में विश्वास करता हूं, क्योंकि बदलाव तभी आता है जब आप मुश्किल दिनों में भी खुद को लगातार आगे बढ़ाते हैं। पूरी प्रक्रिया मेरे लिए सीखने का अनुभव रही है।' बता दें कि विशाल को हाल ही में 'होमबाउंड' के लिए खूब सराहना मिली थी।

शिल्पा शिंदे ने पोस्ट की क्रिप्टिक वीडियो, उत्पीड़न विवाद के बीच ट्रोल्स को दिया जवाब

भारती सिंह के पॉडकास्ट में यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाने की बात को स्वीकार करने के बाद टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे सुर्खियों में आ गई हैं। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स और सेलेब्स उनको खरी-खोटी सुना रहे हैं। यह सब देखकर शिल्पा चुप नहीं बैठ रही हैं, उन्होंने ट्रोलिंग करने वालों को क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए अपना जवाब दिया है। शिल्पा ने जलने वाले लोगों का जिक्र किया शनिवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे लिखती हैं, 'जलने वालों जलते रहो, अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जला के खत्म कर दो।' इसके अलावा एक और फनी वीडियो पोस्ट वह शेयर करती हैं। इसमें एक रील उन्होंने बनाई है। इसमें वह एक फनी डायलॉग को बोल रही हैं, 'साफ साफ बोलने के चक्कर में, जिंदगी से लोग ही साफ हो गए।'

क्या था पूरा मामला?

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। उन्होंने भारती सिंह के पॉडकास्ट में बताया कि सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ झूठा यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। लेकिन बाद में मामला सुलझ गया था। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

साथ में फिल्म करेंगे टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल

'बागी' फ्रैंचाइज की फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वहीं 'कमांडो' फेम एक्टर विद्युत जामवाल भी अपने जबरदस्त एक्शन के लिए फिल्मों में जाने जाते हैं। अब यह दोनों ही एक साथ फैंस को बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। जानिए, यह दोनों किस फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट में एआई इमेज से पोस्टर बनाया गया था, जिसमें दोनों एक्टर्स नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा, 'दो लीजेंड, एक एपिक शोडाउन'। साथ ही टाइगर श्रॉफ वर्सेस विद्युत भी लिखा है। पोस्टर में दोनों एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट या फिल्म को टी-सीरीज पेश करेगा, इस बात का जिक्र भी पोस्टर पर किया गया है। इससे ज्यादा कोई जानकारी पोस्टर पर साझा नहीं की गई। फिल्म के नाम का भी जिक्र नहीं है। दोनों एक्टर्स के पोस्टर शेयर करने के बाद फैंस के बीच हलचल बढ़ गई। बता दें कि टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल को टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। ऐसा लगता है कि दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा करने के लिए दोनों वहां पहुंचे थे। टाइगर और विद्युत अपने करियर फ्रंट पर और क्या रहे हैं? टाइगर श्रॉफ के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह फिल्म 'बागी 4' में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रेस्पॉन्स मिला था। वहीं विद्युत एक हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में जल्द ही नजर आएंगे, इसमें भी वह जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे।

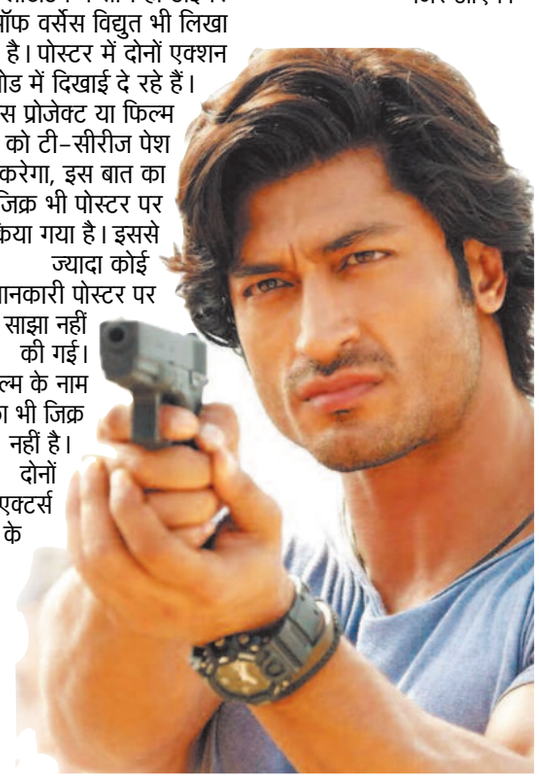

हल्की फुल्की फिल्में करना चाहती हैं रसिका दुग्गल

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन गिनी चुनी एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने पर्दे पर ग्लैमर से ज्यादा गंभीर, संवेदनशील, इंटेंस वाली फिल्मों और किरदारों को तरजीह दी है। साल 2007 में 'अनवर' से डेब्यू करने वालीं रसिका की फिल्मोग्राफी में आपको ऐसी कई फिल्में मिल जाती हैं, जो लीक से हटकर, अंडररेटेड, लेकिन क्लासिक हैं। फिर चाहे 'किस्सा' के नीली का किरदार हो या 'मंटो' में बेगम साफिया का।

जब ओटीटी का दौर आया, तो वहां भी 'मिर्जापुर' से लेकर 'देल्ही क्राइम', 'आउट ऑफ लव' जैसी वेब सीरीज ने रसिका नाम एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में दर्ज किया। 41 साल की रसिका हाल ही सैफ अली खान के साथ फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आईं, जहां वह कर्म और धर्म के बीच अपना कर्तव्य निभाने की जद्दोजहद में जूझ रहे जीवनसाथी का संबल बनती हैं। खास बातचीत में जब रसिका ने यह जानने की कोशिश की गई कि क्या ऐसे गंभीर विषय ही उन्हें लुभाते हैं या कभी हल्के-फुल्के, कमर्शल प्रॉजेक्ट करने का भी मन होता है? तो उन्होंने तपाक से जवाब दिया, 'मैं खुद कुछ हल्का-फुल्का या कॉमेडी कॉन्टेंट तलाश रही हूं। लेकिन साड़ी लहराने वाले रोल मुझे ऑफर ही नहीं होते।'

जमशेदपुर, झारखंड में पैदा हुई रसिका दुग्गल सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि होनहार स्टूडेंट भी रही हैं। उन्होंने 2004 में दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन से गणित में ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। वह सोशल कम्युनिकेशंस मीडिया में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एक्टिंग में पीजी डिप्लोमा कर चुकी हैं। 'नो स्मोकिंग', 'हाइजैक' और 'तहान' जैसी फिल्मों से छाप छोड़ चुकीं रसिका कहती हैं, 'मुझे हल्की फुल्की फिल्में भी चलेंगी। कमर्शियल न हो भी हो तो ठीक है।'

मैं भी चाहती हूं कि लोगों की इस धारणा को तोड़ सकूं

बकौल रसिका दुग्गल, 'मैं भी चाहती हूं कि ये जो धारणा है कि मैं किसी चीज में काम कर रही हूं तो वो इंटेंस ही होगी, उसे तोड़ तोड़ सकूं। आप सही हैं कि काफी बार मुझे ऐसे ही रोल मिलते हैं। कुछ हल्के फुल्के भी मिले हैं जैसे 'लूटकेस' या 'ह्यूमरसली योर्स', लेकिन मुझे और ऐसे रोल करने को मिले तो मुझे बहुत खुशी होगी। असल में मैं खुद ऐसा कुछ ढूंढ रही हूं। जैसे अगर कॉमेडी में कुछ करने को मिले तो बहुत मजेदार होगा। क्या रसिका दुग्गल कभी पर्दे पर रूमानी अंदाज में पहाड़ों पर साड़ी का पल्लू लहराने वाली हीरोइन की तरह नजर आएंगी? इस पर वह कहती हैं, 'क्यों नहीं, बतौर एक्टर हम किसी चीज के लिए मना नहीं करते। हम सब अलग-अलग तरह का ही काम करना चाहते हैं, तो अगर ऐसा भी काम मिले तो कोई परहेज नहीं है। मैंने तो कभी ना नहीं कहा। मुझे कभी ऐसे रोल के ऑफर ही नहीं आए।'

लगातार अच्छा काम मिलना भी बड़ी बात

रसिका बॉलीवुड में एक इमेज में बांध दिए जाने के बाबत आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि उस इंटेंस-सीरियस वाले लेबल के अंदर भी हमें काफी कुछ करने को मिलता है। ऐसा नहीं है कि सारे इंटेंस रोल एक जैसे होते हैं। उसमें भी काफी विविधता होती है। वह भी बहुत अच्छी बात है। ऐसा सबकी लाइफ में नहीं होता कि आपको लगातार काम मिलता रहे और अच्छी स्क्रिप्ट मिलती रहे। साथ ही हर एक्टर चाहता है कि आपको एक अलग पहलू भी लोगों को दिखाने का मौका मिले लेकिन वो ऑफर मिलने की बात है।'

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के वर्ल्ड कप बेस कैंप के पास फायरिंग में 9 घायल

कैनसस सिटी , एजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में इंग्लैंड की फीफा वर्ल्ड कप-2026 बेस कैंप साइट के पास शनिवार को गोलीबारी हुई, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। घटना ऐसे समय हुई है जब उत्तरी अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप-2026 शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। गोलीबारी कैनसस सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज के करीब हुई, जिसे वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग बेस कैंप बनाया गया है। घटना स्थल बेस कैंप से करीब 4 मील दूर बताया गया है। हालांकि, इंग्लैंड की टीम अभी वहां नहीं पहुंची है। टीम बुधवार को ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ प्री-टूर्नामेंट फ्रेंडली मैच खेलेगी। कैनसस सिटी पुलिस के अनुसार फायरिंग में घायल सभी 9 लोगों की जान को कोई खतरा नहीं है। इनमें से कम से कम 3 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है। इंग्लैंड वर्ल्ड कप-2026 में ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेल रहा है। टीम अपना पहला मुकाबला 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगी। 1966 की विश्व चैंपियन इंग्लैंड इस बार दूसरा विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

बांग्लादेश में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म-हत्या में दंपती को मृत्युदंड

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक दंपती को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा बताया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का एलान किया। जस्टिस मसरूर सालेकिन ने रविवार को सोहेल राणा और उसकी पत्नी स्वप्ना खातून को मौत की सजा सुनाई और क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने जुर्माने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी निजी वकील दंपती की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके कारण अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया। बांग्लादेशी कानून के तहत, निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजा को अमल में लाने से पहले उच्च न्यायालय की ओर से फैसले की समीक्षा और पुष्टि किया जाना जरूरी है।

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना का ऑपरेशन, 27 आतंकियों के मारे जाने का दावा ; सुरक्षा हालात तनावपूर्ण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 27 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पिछले 72 घंटों में कई खुफिया-आधारित अभियानों के तहत की गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, यह ऑपरेशन मीर अली और मीरानशाह इलाकों में आतंकियों के ठिकानों पर केंद्रित था। कई ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक साथ कई ठिकानों पर कार्रवाई की। इस दौरान भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें 27 आतंकवादी मारे गए। इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। बताया गया है कि ये आतंकी कई आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल थे आतंकी आईएसपीआर के बयान के अनुसार, मारे गए आतंकियों पर निर्दोष नागरिकों की लक्षित हत्याओं में शामिल होने का आरोप था। सुरक्षा बलों ने उन्हें विदेशी समर्थित आतंकवाद से जुड़ा बताया है। सेना ने यह भी दावा किया कि इस ऑपरेशन के दौरान स्थानीय नेता शहीद मलिक सैफुल्लाह दावर की हत्या का बदला भी लिया गया। मीरानशाह में हुई इस घटना के जिम्मेदार आतंकियों को इस कार्रवाई में मार गिराया गया। आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा सुरक्षा एजेंसियों ने कहा है कि इलाके में अभी भी तलाशी और सफाई अभियान जारी है, ताकि किसी भी छिपे हुए आतंकी को खत्म किया जा सके। पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सरकार का लक्ष्य देश से विदेशी समर्थित आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करना है।

टूट गया सीजफायर? ईरान ने इस्राइल पर दागीं मिसाइलें, तेहरान में एयरस्पेस बंद; सऊदी में खतरा टला

तेहरान / तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने दावा किया है कि ईरान ने उस पर मिसाइलों से हमला किया है। अप्रैल की शुरुआत में लागू हुए युद्धविराम के बाद यह पहली बार है जब ईरान की ओर से ऐसा हमला किया गया है। इस घटनाक्रम से युद्ध समाप्त करने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को बड़ा झटका लग सकता है।

ईरान की मिसाइल बौछारों के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'कुछ देर पहले इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में ईरानी शासन के सैन्य ठिकानों पर हमला किया।' इजरायल ने दावा किया कि उसके लड़ाकू विमान ईरान के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तेहरान अग्निशमन विभाग के हवाले से आईआरएनए ने बताया कि पश्चिमी तेहरान के निवासियों ने तड़के लगभग 4:43 बजे और 4:45 बजे दो धमाकों की आवाजें सुनीं। हालांकि, शहर के किसी भी शहरी क्षेत्र में विस्फोट की पुष्टि नहीं हुई। आईआरएनए के अनुसार, इजरायली सेना ने दावा किया कि

इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से संबंधित कई सैन्य ठिकानों और केंद्रों को निशाना बनाया है। आईआरएनए के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि इजरायल ने अपने नवीनतम हमलों में हवाई-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इजरायली सेना ने रविवार रात ईरान के हमलों की जानकारी देते हुए कहा था कि वह किसी भी संभावित मिसाइल हमले और आगे की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। आईडीएफ के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने रविवार को कहा कि मिसाइलें दागकर ईरान ने 'बहुत बड़ी गलती' की है। बीती रात ईरान ने इजरायल की ओर चार बार मिसाइलों की बौछार की थी। इसके बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। ईरान के नजफाबाद के पास इजरायली हमलों के बाद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। अल-मायादीन की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी : ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी ईरान ने सऊदी अरब के अल-खार्ज एयर बेस पर हमले की खबरों को खारिज कर दिया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने अल-खार्ज एयर बेस की ओर कोई भी गोली या मिसाइल नहीं दागी है। यह बयान उस समय आया जब अल-खार्ज इलाके में धमाके जैसी खबरें सामने आईं और सऊदी सिविल डिफेंस ने संभावित खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया था। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की थी। हालांकि बाद में सऊदी अरब ने कहा कि खतरा टल गया है। फिलहाल घटना को लेकर तनाव बना हुआ है।

यमन की ओर से इस्राइल पर दागी गई मिसाइल : इस्राइल की सेना ने दावा किया है कि यमन की दिशा से उसकी सीमा की ओर एक मिसाइल दागी गई है। सेना के अनुसार मिसाइल का पता लगते ही रक्षा प्रणाली को तुरंत सक्रिय कर दिया गया और खतरे को रोकने के लिए इंटरसेप्टर सिस्टम काम में लगाए गए। इस्राइली सेना ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या हताहत की जानकारी सामने नहीं आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस हमले ने क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

सऊदी अरब ने हटाया अलर्ट, अल-खर्ज में खतरा टला : सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खर्ज गवर्नरेट में जारी संभावित खतरे का अलर्ट वापस ले लिया है। विभाग ने कहा कि अब स्थिति सामान्य है और खतरा टल चुका है। इससे कुछ देर पहले प्रशासन ने लोगों को घरों में रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी थी। हालांकि अधिकारियों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि खतरा किस प्रकार का था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस अलर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इलाके में निगरानी बनाए हुए हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। सऊदी अरब में अलर्ट जारी सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खर्ज गवर्नरेट में संभावित खतरे को लेकर चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने और अगली सूचना तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

दक्षिण कोरिया: चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच दोबारा मतदान की मांग, सड़कों पर उतरे हजारों प्रदर्शनकारी

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में पिछले सप्ताह हुए स्थानीय चुनावों में कथित धांधली के दावों ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के पूर्वी हिस्से में स्थित सोंगपा जिले के एसके ओलंपिक हैंडबॉल जिम्नेजियम के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पिछले तीन दिनों से डेरा डाले हुए हैं। इन प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट रूप से मानना है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और वे अब नए सिरे से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने किया घेराव : जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर तक लगभग 3,000 लोग धरना स्थल पर जमा थे, हालांकि शनिवार को यह संख्या 30,000 के करीब पहुंच गई थी। प्रदर्शनकारियों ने जिम्नेजियम परिसर के सभी आठ प्रवेश द्वारों को घेर रखा है ताकि अंदर रखी मतपेटियों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। वे लगातार चुनाव दोबारा कराने के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच शनिवार को करीब 20 से 30 चुनाव अधिकारी वहां से निकलने में कामयाब रहे लेकिन राष्ट्रीय चुनाव आयोग (एनईसी) ने अब तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बैलेट पेपर की कमी : राजधानी सियोल में चुनाव के दौरान अव्यवस्था की खबरें बुधवार को ही सामने आने लगी थीं, जब सियोल के सोंगपा और गंगनम जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित 12 से अधिक

मतदान केंद्रों पर बैलेट पेपर कम पड़ गए थे। इस कमी के कारण कई घंटों तक मतदान रोकना पड़ा और निराश होकर कई मतदाता बिना वोट डाले ही वापस लौट गए। इस प्रशासनिक विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष रोह ताए-अक और महासचिव हेओ चेओल-हून ने शुक्रवार को अपने पदों से इस्तीफे की पेशकश कर दी है। मुख्य विपक्षी दल, पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) ने इस विरोध प्रदर्शन को 'शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध आंदोलन' करार दिया है। पार्टी नेता जांग डोंग-ह्योक ने नेशनल असेंबली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मांग की है कि केवल जांच या अधिकारियों को बदलने से जनता का गुस्सा शांत नहीं होगा, बल्कि दोबारा चुनाव ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने राष्ट्रपति ली जे-म्युंग से इस मुद्दे पर तत्काल वार्ता का प्रस्ताव रखा है। विपक्ष ने राष्ट्रपति को चेतावनी भी दी है कि यदि वे इस संकट को सुलझाए बिना अपनी निर्धारित यूरोप यात्रा पर जाते हैं, तो उन्हें और अधिक व्यापक जन-विरोध का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए इस पूरी घटना पर खेद जताया है।

शीर्ष नेतृत्व में फूट की अटकलों को ईरान ने किया खारिज

तेहरान, एजेंसी। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है। आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है। आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच 'कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं। आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था। आरिफ ने 'दो थोपे गए युद्धों' के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया।

गाजा में इस्राइली हमलों में नौ फलस्तीनियों की मौत; बेन ग्वीर के सोशल मीडिया पोस्ट पर छिड़ा विवाद

गाजा, एजेंसी। गाजा में रविवार को इस्राइल के हवाई हमलों में कम से कम नौ फलस्तीनी मारे गए। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के अनुसार, दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में एक पुलिस चौकी पर हुए इस्राइली हवाई हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों और मृतकों को रेड क्रिसेंट द्वारा संचालित फील्ड अस्पताल में ले जाया गया। इसके बाद दिन में गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में एक वाहन पर हुए इस्राइली हमले में कम से कम चार और फलस्तीनियों की मौत हो गई। शिफा अस्पताल ने इन मृतकों के शव प्राप्त होने की पुष्टि की है।

इस्राइली सेना ने हमलों पर नहीं की टिप्पणी : इन दोनों हमलों पर इस्राइली सेना की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई। हालांकि, इस्राइल पहले भी कहता रहा है कि वह उन लड़ाकों को निशाना बनाता है जो उसकी सेना के लिए खतरा बन सकते हैं। पिछले साल अक्तूबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते के बाद बड़े पैमाने की लड़ाई में कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद लगभग रोजाना इस्राइली गोलीबारी और हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं।

'गाजा के 70% हिस्से पर होगा इस्राइल का नियंत्रण : इस बीच, ईरान द्वारा इस्राइल पर मिसाइलें दागे जाने के बाद सुरक्षा स्थिति बिगड़ने का हवाला देते हुए इस्राइल ने गाजा के साथ सभी सीमा पार मार्गों को अगली सूचना तक बंद कर दिया है। गाजा में मानवीय सहायता की निगरानी करने वाली इस्राइली रक्षा एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि इस्राइल जल्द ही गाजा के 70 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे नियंत्रण में गाजा का 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र है और जल्द ही हम 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएंगे'। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्राइल हमास को दोबारा हथियार जुटाने या इस्राइल को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देगा। वहीं, अमेरिका द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस के प्रमुख ने पिछले महीने माना था कि युद्धविराम प्रक्रिया का अगला चरण फिलहाल रुका हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण हमास को निरस्त्र करने के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति न बन पाना बताया गया है।

हमलावर को मारने के बाद मंत्री का वीडियो विवादों में : एक अलग घटना में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सुरक्षा बलों की सराहना की, जिन्होंने एक हमलावर को मार गिराया था। इस्राइल के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें वह मृत हमलावर के शव के पास खड़े दिखाई दिए। वीडियो में बेन-गवीर ने कहा, 'हर आतंकवादी का यही अंत होना चाहिए'। बेन-गवीर हाल ही में फलस्तीनी हमलावरों के लिए मृत्युदंड लागू करने संबंधी कानून को आगे बढ़ाने की कोशिश कर चुके हैं, हालांकि इस कानून को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेन-गवीर इससे पहले भी कई विवादित वीडियो और बयानों को लेकर आलोचनाओं में रहे हैं। गाजा की समुद्री नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी से जुड़े उनके वीडियो पर भी काफी विवाद हुआ था। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में भी हिंसा में तेजी आई है। इस्राइल ने वहां सैन्य अभियानों को बढ़ाया है, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा, ईरान का खतरा काफी हद तक बेअसर हो गया है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमताएं काफी कमजोर हो गई हैं और यह संघर्ष 'अंतहीन युद्ध' नहीं बनेगा। उन्होंने तर्क दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका तेहरान के साथ परमाणु समझौते को सुरक्षित करने या सैन्य साधनों के माध्यम से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के करीब है। एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब केवल अपने मिसाइल भंडार का एक छोटा सा हिस्सा ही बचा है। महीनों तक चली अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान से उत्पन्न खतरा काफी हद तक कम हो गया है। ईरान की शेष सैन्य क्षमता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'शायद उनके पास 21-22 प्रतिशत मिसाइलें बची हैं। यह काफी संख्या में मिसाइलें हैं। लेकिन यह वैसी नहीं हैं, जैसी तब थीं जब हमने पहली बार हमला किया था। जब उनसे

पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और लंबे मध्य पूर्व संघर्ष में फंसने के खतरे का सामना कर रहा है, तो ट्रंप ने इस तुलना को खारिज कर दिया और कहा कि ईरान के खिलाफ चलाया गया अभियान इस क्षेत्र में पहले हुए अमेरिकी युद्धों से बहुत अलग है। उन्होंने कहा, 'मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं। यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है।' यह साक्षात्कार ऐसे समय हुआ जब संघर्ष को 100 दिन पूरे हो चुके थे और प्रशासन की दीर्घकालिक रणनीति और वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावनाओं पर सवाल उठते जा रहे थे। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने पहले ही प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमने उनकी सेना को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, ईरान के अधिकांश ड्रोन कारखाने, प्रक्षेपण स्थल और मिसाइल उत्पादन ठिकाने नष्ट कर दी गई हैं। राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान की सैन्य अवसंरचना को शीघ्रता से पुनर्निर्मित करने की क्षमता को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने कहा, 'उन्हें पुनर्निर्माण में 15 या 20 साल लगेंगे। लेकिन मैं उन्हें यह मौका भी नहीं देने वाला। हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते। और हम ऐसा होने नहीं देंगे। जब उनसे पूछा गया कि यदि वार्ता विफल हो जाती है तो पुनः सैन्य कार्रवाई किस आधार पर की जाएगी, तो ट्रंप ने कहा, 'मेरी लक्ष्मण रेखा तब होगी जब मुझे लगेगा कि मैं कोई समझौता नहीं कर पाऊंगा, या अगर मैं पर्याप्त तेज़ी से समझौता नहीं कर पाऊंगा।' राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि वार्ता समापन के करीब है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं, अगर कूटनीति विफल रही, तो हम इसे सैन्य रूप से समाप्त कर देंगे। ट्रंप ने उन सुझावों को भी खारिज कर दिया कि यह संघर्ष नए युद्धों से बचने के उनके लंबे समय से चले आ रहे चुनावी वादे के विपरीत है। उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ भी वादा नहीं किया था। मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं, यह अभियान आवश्यक था, क्योंकि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने की ओर बढ़ रहा था। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें किस बात का भरोसा है कि संघर्ष दलदल में नहीं बदलेगा, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम उस स्थिति में नहीं पहुंचने वाले हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका 'लगभग तैयार' है और उसे या तो एक 'मजबूत समझौता' या टकराव का निर्णायक निष्कर्ष मिलने की उम्मीद है।

डोमिनिकन रिपब्लिक में विमान हादसा, टेक ऑफ के समय क्रैश हुआ विमान

सैंटो डोमिंगो , एजेंसी। डोमिनिकन रिपब्लिक के ला रोमाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी विमान क्रैश हो गया। अमेरिका में पंजीकृत यह बिजनेस जेट रविवार को आपात लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरस्ट्रिप से टकराने के बाद विमान आग के बड़े गोले में बदल गया। इस हादसे में विमान में सवार चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई।

दुर्घटना का मंजर विचलित करने वाले : प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में विमान आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करता देखा जा सकता है। दुर्घटना से ठीक पहले विमान तेज गति से रनवे पर घिसटता हुआ देखा गया। इसके बाद विमान रनवे से फिसलकर हवाई अड्डा परिसर में ही घास वाले क्षेत्र में चला गया और इसी समय भीषण आग लग गई।

विमान में सवार पायलट और सह-पायलट की मौत : डोमिनिकन नागरिक उड्डयन संस्थान (आईडीएसी) ने इस घटना की पुष्टि की है। संस्थान ने बताया कि पायलट और सह-पायलट ही विमान में एकमात्र सवार थे। दुर्घटना के समय विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था। इसलिए बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं हुए। विमान के मॉडल को लेकर आईडीएसी ने कहा, यह एक गल्फस्ट्रीम जी200 दो इंजन वाला बिजनेस जेट था। अमेरिका में पंजीकरण के बाद इसे एन318जेएफ नंबर आवंटित हुआ था।

टेक्सास जा रही थी फ्लाइट : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे से पहले विमान ला रोमाना से टेकऑफ हुआ था। ला रोमाना देश की राजधानी सैंटो डोमिंगो से लगभग 130 किलोमीटर पूर्व में स्थित लोकप्रिय पर्यटन शहर है। यह विमान अमेरिका के टेक्सास में ऑस्टिन जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान आग लग गई। क्या गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण हुई दुर्घटना? विमानन अधिकारियों की तरफ से जारी प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान दुर्घटना से पहले चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति की सूचना दी थी। विमान में आई गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण आपात स्थिति की सूचना दी गई। उस समय विमान ला रोमाना से लगभग 16 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में था। हादसे की आशंका को देखते हुए पायलटों ने विमान को तत्काल नजदीकी वापस हवाई अड्डे पर लाने का प्रयास किया। आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करने के दौरान विमान क्रैश हो गया।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई बिल्डिंग गिरीं:एक की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से करीब 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। फिलीपींस के भूकंप संस्थान के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे गहराई 10 में था, जबकि स्त्रस ने 55 किलोमीटर गहराई दर्ज की। पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वहीं, इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1 मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है।

जनरल सैंटोस के पास था भूकंप का केंद्र : फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप पर जनरल सैंटोस शहर से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:37 बजे आया, जिससे पूरे क्षेत्र में तेज झटके महसूस किए गए।

भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली गुल : जनरल सैंटोस सिटी पुलिस के मास्टर सार्जेंट रॉबर्ट डैगन ने बताया कि कई भवन प्रभावित हुए हैं और राहत-बचाव का काम लगातार जारी है। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी चली गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। जनरल सैंटोस सिटी प्रशासन ने दुकानों और

इमारतों को पहुंचे भारी नुकसान की तस्वीरें जारी की हैं। सरंगानी प्रांत के अलाबेल कस्बे के पुलिस प्रमुख बेंजी एंचेटा ने बताया कि पुलिस स्टेशन की इमारत में भी दरारें आ गई हैं। एंचेटा ने रॉयटर्स से कहा, 'यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है जिसे हमने यहां महसूस किया है।' उनके मुताबिक झटकों के दौरान कुछ लोग डर के कारण बेहोश हो गए। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह फिलीपींस भूकंप संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बाकोलकोल ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों या ऊंचे इलाकों में जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दल को अलर्ट कर दिया गया है।

सुनामी का अलर्ट जारी : भूकंप के तुरंत बाद प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कई देशों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया। केंद्र ने चेतावनी दी कि अगले तीन घंटों के भीतर इंडोनेशिया, फिलीपींस, पलाऊ, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी के कुछ तटीय इलाकों में सुनामी की लहरें पहुंच सकती हैं। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी।

कई देशों में महसूस हुए झटके : भूकंप के झटके सिर्फ फिलीपींस तक सीमित नहीं रहे। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी और नॉर्थ मालुकू प्रांतों में भी कंपन महसूस किया गया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)